उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

असिस्टेंट प्रोफेसर

एवं

राजकीय डिग्री कालेज (GDC)

इतिहास

सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

लेखन सहयोग

मध्यकालीन इतिहास परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

मो. : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम सांईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

₹ 395/-

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग परीक्षा पाठ्यक्रम.....3-4

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2021.....5-16
■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016.....17-26
■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014.....27-35

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2021.....36-51
■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2017.....52-66
■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2013.....67-79

राजस्थान लोक सेवा आयोग

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर प्रथम प्रश्न-पत्र परीक्षा 2020.....80-105
■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर द्वितीय प्रश्न-पत्र परीक्षा 2020.....106-129
■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर प्रथम प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014.....130-139
■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर द्वितीय प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014.....140-159

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

■ उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017.....160-167

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग

■ मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017.....168-181

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2019.....182-190
■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016.....191-202
■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014.....203-216

हरियाणा लोक सेवा आयोग

■ हरियाणा लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017.....217-224

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज
पाठ्यक्रम (SYLLABUS)
इतिहास

(विषय कोड-30)

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास

स्रोतः

I. लेख और सिक्काशास्त्र सम्बन्धित सामग्री और स्मारक।
साहित्यिक स्रोत– फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएं।
विदेशी यात्री– वृतांत।

II. राजनीतिक विकास :
सल्तनत–गोरी, तुर्क, खिल्जी, तुगलक, सैयद और लोदी।
मुगल साम्राज्य की नींव-बाबर, हुमायूं और सूरी; अकबर से औरंगजेब तक राज्य विस्तार।
मुगल साम्राज्य को चुनौतियाँ तथा पतन-राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक कारण, मुगलों को चुनौतीः अहोम, बुन्देला, सिख तथा जाट।
बाद के मुगल और मुगल साम्राज्य का विघटन।
विजयनगर और बहमनी राज्य-उत्थान, विस्तार और विघटन। मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज की नींव; पेशवाओं के अधीन इसका विस्तार; मराठा राज्यमण्डल-पतन के कारण।

III. प्रशासन :
सल्तनत के अधीन प्रशासन : असैनिक, न्यायिक, राजस्व, राजकोषीय और सैनिक।
शेरशाह के प्रशासनिक सुधार; मुगल प्रशासन : भू-राजस्व और आय के अन्य स्रोत; मनसबदारी और जागीरदारी।
दक्कन में प्रशासन पद्धति-विजयनगर, बहमनी राज्य और मराठा।

IV. आर्थिक पक्ष :
कृषि उत्पादन -ग्रामीण अर्थव्यवस्था; कृषक वर्ग
शहरी केन्द्र और जनसंख्या।
उद्योग–सूती वस्त्र उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित उद्योग; संगठन, कारखाना, प्रौद्योगिकी।
व्यापार और वाणिज्य–राज्य की नीतियां, आन्तरिक और बाह्य व्यापार; यूरोपीय व्यापार, व्यापार केन्द्र और पतन, परिवहन और संचार।
वित्तीयन व्यापार, वाणिज्य और उद्योग; हुण्डी (विनिमय पत्र) और बीमा।
मुद्रा।

V. समाज और संस्कृति :
सूफी–उनके धार्मिक संघ, विश्वास और पद्धतियां, प्रख्यात सूफी संत।
भक्ति सम्प्रदाय–शैववाद और उसकी शाखाएं; वैष्णववाद और उसकी शाखाएं।
मध्यकालीन संत–उत्तर और दक्षिण–उनका सामाजिक–राजनीतिक और धार्मिक जीवन पर प्रभाव।
सिख आन्दोलन–गुरू नानक देव और उनके उपदेश और साधना; आदि ग्रंथ; खालसा।
वर्गीकरण–शासक वर्ग, प्रमुख धार्मिक वर्ग, व्यापारी और व्यावसायिक वर्ग।
ग्रामीण समाज–छोटे सामन्त, ग्राम कर्मचारी, कृषक और गैर-कृषक वर्ग, शिल्पकार।
महिलाओं की स्थिति और मध्यकालीन भारत में रनिवास।
शैक्षणिक पद्धतियां और उसकी अभिप्रेरणा।
साहित्य–फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएं।
ललित कलाएं–चित्रकारी के प्रमुख स्कूल; संगीत।
पुरातन भारतीय स्मारकों का पतन एवं उत्तर एवं दक्षिण भारत में नवीन स्थापत्य कला का विकास, इण्डो-इस्लामिक स्थापत्य कला।

2. आधुनिक भारतीय इतिहास

I. ब्रिटिश शक्ति का उदय :
17वीं और 18वीं शताब्दियों में भारत में यूरोपीय व्यापारी-पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश, उपनिवेशवाद का सांस्कृतिक एवं आर्थिक आधार।
भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना तथा विस्तार।
भारत की प्रमुख शक्तियों के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध और उनका आधुनिकीकरण– बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिख।
कम्पनी तथा राजा (क्राउन) का प्रशासन
ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधीन मध्य तथा प्रान्तीय ढांचे का विकास, 1773-1853
कम्पनी तथा क्राउन के अधीन परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना।
स्थानीय स्वशासन।
संवैधानिक परिवर्तन, 1909-1935

II. आर्थिक तथा सामाजिक इतिहास :

व्यापार का बदलता हुआ संघटन, व्यापार का आयाम तथा दिशा, 'दि ट्रिब्यूट'। कृषि का विस्तार तथा वाणिज्यीकरण, भूमि सम्बन्धी अधिकार, भूमि बंदोबस्त, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, भूमिहीन मजदूर।

उद्योगों का पतन : कारीगरों की बदलती हुई सामाजिक–आर्थिक दशाएं; अशहरीकरण।

औद्योगिक नीति : प्रमुख आधुनिक उद्योग; फैक्टरी कानून का स्वरूप; श्रमिक तथा मजदूर संघ के आन्दोलन।

मौद्रिक नीति; बैंकिंग; मुद्रा तथा विनियम; रेलवे तथा सड़क परिवहन।

नए शहरी केन्द्रों का विकास; शहर आयोजन तथा वास्तुकला की नई विशेषताएं।

दुर्भिक्ष तथा महामारी और सरकार की नीति।

आर्थिक विचार : इंग्लिश उपयोगितावादी; भारतीय आर्थिक इतिहासकार; धन बर्हिगमन सिद्धांत।

ईसाई धर्म से सम्पर्क– मिशनरी, भारतीय समाज को अन्धकार युग में स्थापित करना तथा भारतीय सामाजिक तथा आर्थिक पद्धतियों एवं धार्मिक विश्वासों की समीक्षा; शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियां।

औपनिवेशिक शिक्षा : विषयवस्तु, संरचना एवं लक्ष्य

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार; परम्पराओं से विरत सुधार एवं परम्पराओं के आधार पर सुधार, मध्यवर्ग का उदय; जाति संघ तथा जाति गतिशीलता।

महिलाओं का प्रश्न–राष्ट्रवादी कथन : महिला संगठन; महिलाओं से सम्बन्धित ब्रिटिश कानून; सांविधानिक स्थिति।

प्रेस का विकास–साम्राज्यवादी पक्ष में राष्ट्रवादी प्रेस, औपनिवेशिक सरकार द्वारा प्रेस को नियंत्रित करने के कानून।

क्षेत्रीय साहित्य एवं उसके उन्नत पक्ष, चित्रकला का पुनर्विन्यास, संगीत तथा प्रदर्शन कलाएं।

III. राष्ट्रीय आन्दोलन :

भारतीय राष्ट्रवाद की विविध व्याख्याएं, भारतीय राष्ट्रीयता का उदय; औपनिवेशिक परिवेश का प्रतिरोध, राष्ट्रीयता के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक आधार।

स्वाधीनता का प्रथम संग्राम 1857, भिन्न सामाजिक समूहों की भागीदारी, 1857 का भौगोलिक प्रसार

जनजातीय तथा किसानों द्वारा औपनिवेशक सरकार का प्रतिरोध।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा तथा कार्यक्रम, 1885-1920, तिलक के 'स्वराज' एवं गोखले की भारत निर्माण विचारधारा तथा श्री अरबिन्द का राजनीतिक दर्शन, होमरूल आन्दोलन।

स्वदेशी की विचारधारा, स्वदेशी आन्दोलन की प्रवृत्तियां, सरकार की प्रतिक्रिया।

भारत तथा विदेश में भारतीय क्रान्तिकारियों की विचारधारा एवं कार्यक्रम।

गांधी जन-आन्दोलन।

सुभाष चन्द्र बोस, कांग्रेस से मतभेद, आजाद हिन्द फौज।

जस्टिस पार्टी (न्याय दल) की विचारधारा तथा कार्यक्रम।

वामपंथी राजनीति-राष्ट्रीय आन्दोलन में साम्यवादी वैचारिकी एवं राजनीति, राष्ट्रीय आन्दोलन में कांग्रेस समाजवादी दल की भूमिका।

दलित वर्ग का आन्दोलन।

साम्प्रदायिक राजनीति तथा पाकिस्तान का उद्‌भव।

स्वाधीनता तथा विभाजन की ओर।

IV. स्वातत्रंयोत्तर भारत (1947-1964) :

विभाजन तथा शरणार्थियों के पुनर्वास का प्रश्न।

भारतीय राज्यों का एकीकरण : कश्मीर का प्रश्न, हैदराबाद का प्रश्न एवं सरदार पटेल।

भारतीय संविधान का निर्माण।

नौकरशाही तथा पुलिस का ढांचा।

जनांकिकीय प्रवृत्तियां।

विकास के प्रश्न पर विभिन्न विमर्श, आर्थिक नीतियां तथा योजना प्रक्रिया।

राज्यों का भाषा वैज्ञानिक पुनर्गठन।

विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य।

V. संसार के इतिहास : संकल्पनाएं, विचार तथा अवधियां एवं इतिहास में शोध :

सामंतवाद

तटस्थता

संसदीय लोकतंत्र

नाजीवाद

राष्ट्रमंडल

उपनिवेशवाद

नव उपनिवेशवाद

साम्राज्यवाद

वाणिज्यवाद

पूंजीवाद

समाजवाद

शक्ति संतुलन

रंगभेद

मानव के अधिकार

शीत युद्ध

पश्च–आधुनिकतावाद

भूमंडलीकरण

इतिहास के क्षेत्र तथा मूल्य

इतिहास में वस्तुनिष्ठता तथा अभिनति

इतिहास और इसके सहायक विज्ञान

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2021
मध्यकालीन इतिहास

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र **परीक्षा तिथि : 13/11/2021**

31. Qutuban composed a mystical romantic poetry book in Hindi-Name it -
कुतुबन ने एक रहस्यात्मक प्रेमाख्यान के काव्य-पुस्तक हिन्दी में लिखी। नाम बताइये।

(a) Mrigawati / मृगावती
(b) Mrignayani / मृगनयनी
(c) Chandrayayan / चन्दायन
(d) Madhumalti / मधुमालती

Ans. (a) :

	लेखक	**पुस्तक**
(i)	कुतुबन	मृगावती
(ii)	वृंदावनलाल वर्मा	मृगनयनी
(iii)	मलिक मंझन	मधुमालती
(iv)	मुल्ला दाउद	चन्दायन

32. Which one of the following is not correctly matched?
निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) Awadh in Revolt – Rudrangshu Mukharjee
अवध इन रिवोल्ट - रुद्रांशु मुखर्जी
(b) The Peasant Armed – Eric Stokes
द पेजेन्ट आर्म्ड - एरिक स्टोक्स
(c) The Raj of Rani – Meena Bhargava
द राज ऑफ रानी – मीना भार्गव
(d) The Last Mughal – William Dalrymple
द लास्ट मुगल – विलियम डैलरिम्पल

Ans. (c) :

	पुस्तक	**लेखक**
(i)	अवध इन रिवोल्ट 1857-58	रुद्रांशु मुखर्जी
(ii)	दि पीजेंट आर्म्ड	एरिक स्टोक्स
(iii)	राज ऑफ दि रानी	ताप्ती रॉय
(iv)	दि लास्ट मुगल	विलियम डैलरिम्पल
(v)	दि डिक्लाइन ऑफ दि मुगल एम्पायर	मीना भार्गव

33. Who among the following is connected with blue water policy ?
नीले पानी की नीति (ब्लू वॉटर पॉलिसी) से निम्नलिखित में से कौन संबंधित है?

(a) Tristao da Cunha / त्रिस्ताओ दा कुन्हा
(b) Francisco de Almeida / फ्रांसिस्को डि अल्मेडा
(c) Alfanso de Albuquerque / अल्फांसो डि अलबुकर्क
(d) Lopo Soares de Albergaria
लोपो सोआरेस डि अल्बरगारिया

Ans. (b) : पुर्तगाल से प्रथम वायसराय के रूप में फ्रांसिस्को डी अल्मीडा का भारत आगमन 1505 ई. में हुआ। यह 1509 ई. तक भारत में रहा। उसे पुर्तगाली सरकार की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि भारत में ऐसे दुर्गो का निर्माण करें जिनका उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा न होकर हिंद महासागर के व्यापार पर पुर्तगाली नियंत्रण स्थापित करना भी हो। उसके द्वारा अपनाई गई यह नीति "नीले पानी की नीति (ब्लू वॉटर पॉलिसी) या शांत जल की नीति" कहलाई। 1508 ई. में अल्मीडा संयुक्त मुस्लिम नौसैनिक बेड़े (मिस्र + तुर्की + गुजरात) के साथ चौल के युद्ध (War of Chaul – 1508 A.D.) में पराजित हुआ। अगले वर्ष अर्थात् 1509 ई. में अल्मीडा ने इसी संयुक्त मुस्लिम बेड़े को पराजित किया। इसने हिन्द महासागर में पुर्तगलियों की स्थिति को मजबूत करने के लिए सामुद्रिक नीति को अधिक महत्व दिया।

34. Who helped Britishers in Supperssing the Bundela Rebellion of 1842
1842 के बुन्देला विद्रोह के दमन में किसने अंग्रेजों की मदद की?

(a) Hirdeshah/हिरदेशाह
(b) Ganeshju/गणशज
(c) Mardansingh/मर्दनसिंह
(d) Jawaharsing/जवाहरसिंह

Ans. (c) :

- 8 अप्रैल, 1842 ई. को बुन्देलखण्ड में बुन्देला विद्रोह की भागीदारी अंकित है। जिसके नेतृत्वकर्त्ता नाराहट के मधुकर शाह एवं गणशज, चन्द्रापुर के जवाहर सिंह, गुढ़ा के विक्रमजीत सिंह, चिरगांव के बखत सिंह, जाखलौन एवं पिपरिया के भुजबल सिंह व महीप सिंह, हीरापुर के राजा हिरदेशशाह, मदनपुर के डेलन सिंह एवं दिलवाड़ा के गौड़ ठाकुर, नटवर सिंह जैसे अनेक बुन्देला, लोधी एवं गौड़ ठाकुरों ने भागीदारी निभायी।
- चार्ल्स फ्रेजर ने बुन्देला विद्रोह के दमन हेतु रणनीति तैयार की थी।
- बुंदेला विद्रोह का दमन करने के लिए ठाकुर मर्दन सिंह एवं राजा बखतवली ग्वालियर के सिंधिया, ओरछा की रानी आदि ने अंग्रेजों का सहयोग दिया है।
- शाहगढ़ राजा बखतवली एवं बानपुर राजा मर्दन सिंह से अंग्रेजों ने मदद माँगी, चूँकि बुन्देला विद्रोही इनकी रियासतों में भी लूटपाट कर रहे थे एवं ये दोनों राजा अंग्रेजों की मदद से सिंधिया द्वारा अधिग्रहीत अपना क्षेत्र प्राप्त करना चाहते थे, अतः ये दोनों राजा अंग्रेजों की मदद के लिए तैयार हो गए।
- शाहगढ़ राजा बखतवली ने 22 दिसंबर, 1842 ई. को हीरापुर के राजा हिरदेश शाह को पकड़कर अंग्रेजों के हवाले कर दिया।
- बानपुर के राजा मर्दन सिंह ने 24 जनवरी, 1844 ई. को प्रमुख विद्रोही मधुकर शाह को पकड़कर अंग्रेजों के हवाले कर दिया।

35. Where did Job Charnock establish an English kothi in 1690?
1690 में जॉब चारनॉक ने अंग्रेज कोठी की स्थापना कहाँ की थी?

(a) Sutanati / सुतनती (b) Kalikata / कलिकाता
(c) Govindpur / गोविन्दपुर (d) Hariharput / हरिहरपुर

Ans. (a) :

- फरवरी, 1690 ई. में कंपनी के अधिकारियों (जॉब चारनॉक के नेतृत्व में) और मुगल समझौता हो जाने पर जॉब चारनॉक को बंगाल में कम्पनी के एजेंट के रूप में नियुक्त किया गया।

- ➢ 10 फरवरी, 1691 ई. को जॉब चारनॉक ने सूतानती में अंग्रेज फैक्ट्री की स्थापना की।
- ➢ 1698-99 ई. में बंगाल के सूबेदार अजीमुशान की अनुमति के बाद कंपनी को 1200 रु. देने पर सूतानती, गोविन्दपुर और कालिकाता की जमींदारी प्राप्त हो गई। (कालिकाता + गोविन्दपुर + सूतानती = आधुनिक कलकत्ता) की नींव जॉब चारनॉक ने डाली। कालान्तर में कलकत्ता में फोर्ट विलियम की नींव पड़ी।

36. Where was the first battle of the first Anglo-Sikh war fought?
प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध की पहली लड़ाई कहाँ हुई?
(a) Mudki / मुदकी
(b) Lahore / लाहौर
(c) Sobraon / सोबरोन
(d) Jalandhar / जालंधर

Ans. (a) : मुदकी का युद्ध 13 दिसंबर, 1845 ई. को सिक्ख नेता लालसिंह के नेतृत्व में सेना सतलज नदी पार करके फिरोजपुर की ओर बढ़ी। दूसरी ओर सर ह्यूगफ के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना भी लुधियाना की ओर बढ़ी। फिरोजपुर से 20 मील दूर पर दोनों सेनाओं का सामना हुआ। सिक्ख सेना 40 हजार के लगभग थी व अंग्रेजों के 11 हजार सैनिक थे, यद्यपि सिक्ख सेना बड़ी वीरता से लड़ी लेकिन सेनापति लालसिंह के युद्धस्थल से भाग जाने के कारण सिक्ख सेना को पराजय का सामना करना पड़ा जिससे सिक्खों को काफी हानि हुई।

37. Who among the following conferred the title of 'Tripitakacharya' by Vidyalankar Bihar of Srilanka
निम्न में से श्रीलंका का विद्यालंकार बिहार ने किसे 'त्रिपिटकाचार्य' की उपाधी प्रदान की?
(a) Rajendra Prasad / राजेन्द्र प्रसाद
(b) B.R./ Amedkar / बी.आर. अम्बेडकर
(c) Bhadante Anand Kausalyayan / भदन्त आनन्द कौसल्यायन
(d) Rahul Sankrityayan / राहुल सांकृत्यायन

Ans. (d) : राहुल सांकृत्यायन 34 वर्ष की उम्र में 1927 ई. में श्रीलंका गये और वहां के विद्यालंकार विहार में 19 माह तक निवास किये। उन्होंने वहां पालित्रिपिटक में बुद्ध के दर्शन के बारे में पढ़ा एवं बौद्ध धर्म में दीक्षित हो गए।

विशेष तथ्य

- ➢ भदन्त आनन्द कौसल्यायन के नेतृत्व में नागपुर के दीक्षा भूमि से डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था।
- ➢ डॉ. भीमराव अम्बेड़कर को आधुनिक मनु की संज्ञा दी जाती है। इनका कहना है कि ''मैं उस धर्म को पसन्द करता हूँ जिसमें स्वतंत्रता, समता एवं बंधुत्व की शिक्षाएं हो''।
- ➢ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 'संविधान सभा की वार्ता एवं प्रक्रिया समिति- की अध्यक्षता भी किया था इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं – (1) इण्डिया डिवाइडेड, (2) सत्याग्रह इन चम्पारण (3) बापू के कदमों में।

38. On which state was doctrine of lapse imposed in 1852?
व्यपगत का सिद्धांत किस राज्य पर 1852 में लागू किया गया?
(a) Surat / सूरत
(b) Udaipur / उदयपुर
(c) Satara / सतारा
(d) Jaitpur / जेतपुर

Ans. (b) : लार्ड डलहौजी ने व्यपगत के सिद्धांत के अनुसार निम्न राज्यों का अधिग्रहण किया –

राज्य	वर्ष
(i) सतारा	1848
(ii) जैतपुर तथा सम्भलपुर	1849
(iii) बघाट	1850
(iv) उदयपुर	1852
(v) झांसी	1853
(vi) नागपुर	1854

नोट–1856 ई. में लॉर्ड डलहौजी ने अवध का विलय कुशासन के बहाने से किया।

39. Which one of the following concept/thesis has been propounded by Rajat Ray and Ratnalekha Ray to explain the impact of permanent settlement (1793) on the rural society of Bengal?
रजत रे तथा रत्नलेखा रे ने बंगाल में ग्रामीण समाज पर स्थाई बंदोबस्त (1793) के प्रभाव की व्याख्या निम्नलिखित में से किस अवधारणा/परिकल्पना को प्रतिपादित किया?
(a) Sanskritization / संस्कृतीकरण
(b) Jajmani system / जजमानी प्रणाली
(c) Asiatic mode of production/एशियाई उत्पादन प्रणाली
(d) Jotedar thesis / जोतेदार परिकल्पना

Ans. (d) : रजत रे तथा रत्नलेखा रे ने बंगाल में ग्रामीण समाज पर स्थाई बंदोबस्त (1793) के प्रभाव की व्याख्या हेतु जोतेदार परिकल्पना/(Jotedar thesis) की अवधारणा को प्रतिपादित अपने लेख में 1988 ई. में यह बात मानी कि ग्रामीण बंगाल में जमींदारों का प्रभाव और अधिकार सम्भवतः लगभग 1930 के दशक तक बने रहे, फिर भी पूरे दौर में अच्छे मालदार किसानों का एक हिस्सा ऐसा रहा, जिनको बंगाल के देहातों में अच्छी खासी शक्ति प्राप्त थी।

40. To buy which one of the following did the prospective buyers of Indian exports pay in pound sterling to the secretary of state of India in London during hte British rule?
भारतीय निर्यातों के भावी खरीदार ब्रिटिश शासनकाल में लंदन स्थित भारत सचिव को निम्नलिखित में से किसे खरीदने के लिए उसे पाउन्ड स्टर्लिंग भुगतान करते थे?
(a) Council Bills / काउन्सिल बिल
(b) Sterling Bills / स्टर्लिंग बिल
(c) Reverse Council Bills / रिवर्स काउन्सिल बिल
(d) Participatory Notes / पार्टिसिपेटरी नोट्स

Ans. (a) : भारतीय निर्यातों के भावी खरीदार ब्रिटिश शासनकाल में लंदन स्थित भारत सचिव को काउन्सिल बिल खरीदने के लिए उसे पाउन्ड स्टर्लिंग भुगतान करते थे।

विशेष तथ्य

ईस्ट इंडिया कंपनी के विदेशी ऋणों पर ब्याज, सैनिक व्यय, रेलों, सिंचाई, सड़क यातायात और बुनियादी ढ़ाँचे की दूसरी विभिन्न सुविधाओं में विदेशी निवेशों पर जमानतशुदा ब्याज, सरकार की खरीद-नीति, जिसके चलते वह अपनी सारी स्टेशनरी इंगलैंड से खरीदती रही और अंत में ''घरेलू अदायगियाँ'' (Home Charges) अर्थात् लंदन के इंडिया ऑफिस में भारत सचिव और उसके पूरे प्रतिष्ठान का खर्च और साथ ही सैनिक और असैनिक कार्मिकों अर्थात् भारत पर शासन करने वाले व्यक्तियों के वेतन, पेंशन और प्रशिक्षण के खर्चों के भुगतान आदि। धन का वास्तविक हस्तांतरण ''काउंसिल बिलों'' की बिक्री के जरिये होता था।

41. What percentage of the net value of the produce was fixed as the state land revenue demand by R.K. Pringle after the land survey n Bombay Presidency?
आर.के. प्रिंगल ने बॉम्बे प्रेसीडेन्सी में भूमि के सर्वेक्षण के पश्चात् राज्य की भूराजस्व की माँग को उत्पाद के शुद्ध मूल्य का कितना प्रतिशत तय किया?

(a) 33%
(b) 44%
(c) 55%
(d) 66%

Ans. (c) : आर.के. प्रिंगल ने बॉम्बे प्रेसीडेन्सी में भूमि के सर्वेक्षण के पश्चात राज्य की भू-राजस्व की माँग को उत्पाद के शुद्ध मूल्य का 55 प्रतिशत तय किया।

विशेष तथ्य

बम्बई प्रेसीडेंसी में रैय्यतवाड़ी व्यवस्था का आंरभ कैप्टन मुनरो के शिष्य माउंटस्टुअर्ट एल्फिंस्टन की निगरानी में लागू हुआ। इन क्षेत्रों में अंग्रेज पहले देशमुखों और ग्राम प्रधानों अर्थात पाटिलों की मदद से मालगुजारी वसूल करते रहे। इस प्रकार की वसूली से अंग्रेजों को आशानुसार मालगुजारी नहीं मिलती थी इसी कारण बाद में वे सीधे किसानों से मालगुजारी वसूली करने लगे, इस प्रकार का दुर्व्यवहार बम्बई प्रेसीडेंसी की विशेषता बन गयी, क्योंकि मालगुजारी की तय हुई दरें असाधारण सीमा तक ऊँची थी। बार-बार फसल तबाह होने और दामों के गिरने पर किसानों को या तो सूदखोरों के पास जमीन गिरवी रखनी पड़ती थी, या खेती छोड़कर वे पड़ोस के रजवाड़ों में चले जाते थे जहाँ दरें कम थी। इसलिए आर.के. प्रिंगल नाम के एक अधिकारी ने एक भू-सर्वेक्षण किया; उसने भूमि का वर्गीकरण किया और मालगुजारी की दर पैदावार के मात्र मूल्य का 55 प्रतिशत तय किया।

42. Who led a delegation in 1917 to meet secretary of state for India in London to demand female franchse?
1917 में किसने उस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया जो लंदन में भारत सचिव से महिलाओं को मताधिकार की माँग के लिये मिलने गया था?

(a) Sarojini Naidu / सरोजिनी नायडू
(b) Muthulakshmi Reddy / मुथुलक्ष्मी रेड्डी
(c) Pandita Ramabai / पंडिता रमाबाई
(d) Margaret Consins / मार्गरेट कजिन्स

Ans. (a) : वर्ष 1917 में सरोजिनी नायडू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल महिलाओं की दशा में सुधार की मांग करने की श्रृंखला के तहत मांटेग्यू तथा चेम्सफोर्ड की समिति से मिला। उसी समय सरला देवी ने भारत स्त्री महामंडल की ओर से समिति के समक्ष अपना प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया। सरोजिनी नायडू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि ''महिलाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएँ, उन्नत स्वास्थ्य तथा प्रसूति सेवाएं और उनके भाइयों के समान ही वोट देने के अधिकार दिए जाए।''

43. Who is the author of a prominent work 'Womens movement in India'?
एक प्रमुख कृति 'वीमेन्स मूवमेंट इन इंडिया' की लेखक कौन हैं?

(a) A.R. Desai / ए.आर.देसाई
(b) Margaret Barnes / मार्गरेट बार्न्स
(c) Partima Asthana / प्रतिमा अस्थाना
(d) Mridula Mukherjee / मृदुला मुखर्जी

Ans. (c) :

	लेखक	पुस्तक
(i)	प्रतिमा अस्थाना	वीमेन्स मूवमेंट इन इंडिया
(ii)	ए.आर. देसाई	भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
(iii)	मार्गरेट बार्न्स	दि एज ऑफ इनोसेंस
(iv)	मृदुला मुखर्जी	कोलोनाइजिंग एग्रीकल्चर

44. Who was in he orienalist group in the General Committee of Public Instruction during the orientalist – Anglicist controversy over education policy in 1835?
1835 में लोक शिक्षा सामान्य समिति में शिक्षा नीति पर हुए आंग्ल-प्राच्य विवाद में कौन प्राच्यवादी गुट का था?

(a) William Wilber force / विलियम विल्बरफोर्स
(b) H.T. Prinsep / एच.टी. प्रिन्सैप
(c) Charles Grant / चार्ल्स ग्रान्ट
(d) T.B. Macaulay / टी.बी. मैकॉले

Ans. (b) : लॉर्ड मैकाले ने भारतीयों को शिक्षा प्रदान करने के लिए अधोमुखी निस्यंदन (Infiltration theory) का सिद्धांत दिया जिसकी घोषणा लार्ड ऑकलैण्ड ने की, लेकिन विवाद की वजह से एक समिति बनाई गई जिसमें दो गुट हो गए-

1. **प्राच्य विद्या के अनुगामियों में –** लोक शिक्षा समिति के सचिव एच.टी. प्रिन्सेप तथा एच.एच. विल्सन थे, जिनके अनुसार भारत में संस्कृत और अरबी के अध्ययन को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। ये लोग विज्ञान के अध्ययन को महत्व देते थे परंतु विज्ञान की भाषा भी देशी होनी चाहिए, जो आम जनता के लिए सहज हो। वॉरेन हेस्टिंग्स और लॉर्ड मिन्टो ने भी प्राच्य-विद्या का ही समर्थन किया था।

विशेष तथ्य

2. **पाश्चात्य विद्या के समर्थक –** अंग्रेजी भाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में होना चाहिए। इसके समर्थन का नेतृत्व लार्ड मुनरो और एल्फिंस्टन कर रहे थे। लार्ड मैकाले जो उस कार्यकारिणी परिषद के कानूनी सदस्य थे जिसे बाद में शिक्षा समिति का सभापति नियुक्त किया गया था उसने भारतीय संस्कृति व साहित्य का तिरस्कार करते हुए कहा ''यूरोप के एक अच्छे पुस्तकालय की एक अलमारी का एक कक्ष भारत और अरब के समस्त साहित्य से अधिक मूल्यवान है।''

➢ 2 फरवरी, 1835 को अपना महत्वपूर्ण स्मरण पत्र/ Menutes लिखा और परिषद के सामने रखा, जिसे तत्कालीन गवर्नर जनरल विलियम बैंटिक ने 7 मार्च, 1835 को स्वीकार कर लिया और अंग्रेजी भाषा को भारत में शिक्षा का माध्यम बना दिया।

45. Who started the newspaper 'Swarajya' in 1921 to advocate the cause of Gandhi?
1921 में गाँधीजी की मुहिम को बढ़ाने के लिए 'स्वराज्य' नामक समाचार-पत्र किसने प्रारंभ किया?

(a) T. Prakasham / टी. प्रकाशम
(b) Chitaranjan Das / चित्तरंजन दास
(c) N.C. Kelkar / एन.सी. केलकर
(d) C. Rajagopalachari / सी. राजगोपालाचारी

Ans. (a) : टी. प्रकाशम/ श्री तंगुतुरी प्रकाशम पंतुलु एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे जो अपनी ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और साहस के लिए जाने जाते हैं वे पेशे से वकील थे लेकिन वकालत का अभ्यास छोड़कर, स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े और अपना सारा पैसा राष्ट्र के लिए दान कर दिया, वे तेलगू, अंग्रेजी और तमिल में 'स्वराज्य' पत्रिका के संपादक बन गए।

विशेष तथ्य

लेखक	समाचार पत्र/ पुस्तकें
(1) चित्तरंजन दास	(1) स्वराज (अंग्रेजी), (2) फारवर्ड, (3) वंदे मातरम्, (4) इंडिया फॉर फ्रीडम
(2) सी. राजगोपालाचारी	(1) स्वराज, (2) सत्यमेव, (3) द नेशन्स वायस
(3) बी.एम. मालाबारी	वॉयस ऑफ इंडिया
(4) मोती लाल नेहरू	(1) इण्डिपेंडेंट (2) द वायस ऑफ फ्रीडम
(5) जवाहर लाल नेहरू	नेशनल हेराल्ड

46. Who wrote a letter from jail in 1940 saying that : "The individual must die so that the nation may live. Today I must die so that India may win freedom and glory"?
किसने 1940 में जेल से एक पत्र लिखा जिसमें कहा कि ''व्यक्ति को मरना पड़ेगा ताकि राष्ट्र जीवित रह सके। आज मैं जरूर मरूँगा ताकि भारत स्वतंत्रता और यश प्राप्त कर सके''?

(a) Mahatma Gandhi / महात्मा गांधी
(b) Jatindra Nath Das / जतीन्द्रनाथ दास
(c) Subhash Chndra Bose / सुभाष चन्द्र बोस
(d) Sardar Patel / सरदार पटेल

Ans. (c) : सुभाष चन्द्र बोस ने 1940 ई. में जेल से एक पत्र लिखा जिसमें कहा कि ''व्यक्ति को मरना पड़ेगा ताकि राष्ट्र जीवित रह सके। आज मैं जरूर मरूँगा ताकि भारत स्वतंत्रता और यश प्राप्त कर सके।''

विशेष तथ्य

1. ''मैं सुभाष चंन्द्र बोस ईश्वर की पवित्र सौगन्ध खाकर कहता हूँ कि मैं भारत तथा उसके अड़तीस करोड़ वासियों की स्वतंत्रता के लिए अपने अंतिम श्वास तक युद्ध करता रहूंगा।''
2. जतिन दास – लाहौर षड्यंत्र केस (1929) में सभी क्रांतिकारियों के साथ जतिन दास भी गिरफ्तार कर लिए गये थे। जेल में इन क्रांतिकारियों के साथ बहुत अमानवीय व्यवहार किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर जतिन दास ने समस्त गिरफ्तार लोगों को राजनीतिक कैदी घोषित करने की मांग करते हुए भूख हड़ताल कर दिया जहाँ 64 दिन की भूख हड़ताल के बाद जतिन दास की मृत्यु हो गई।
3. जतीन्द्र नाथ मुखर्जी – (हावड़ा षड्यंत्र केस – 1910 ई.) – यह षड्यंत्र 'बाघा जतिन' की उपमा से सुप्रसिद्ध जतीन्द्र नाथ मुखर्जी से सम्बद्ध है। डिप्टी पुलिस सुपरिटेंडेंट शमसुल आलम की हत्या के आरोप में बाघा जतिन पर हावड़ा षड्यंत्र केस चलाया गया, जिसमें उन्हें एक वर्ष की कारावास की सजा हुई। 9 सितंबर, 1915 ई. को बालासोर (उड़ीसा) में पुलिस मुठभेड़ में जतीन्द्र नाथ मुखर्जी (वाघा जतिन) शहिद हो गए।

47. Who established the "Swadeshi Steam Navigation Company" during the Swadeshi movement?
स्वदेशी आंदोलन के दौरान किसने 'स्वदेशी स्टीम नैविगेशन कंपनी' की स्थापना की?

(a) P.C. Ray / पी.सी. रे
(b) Jogendra Ghosh / जोगेन्द्र घोष
(c) Chidambaram Pillai / चिदम्बरम पिलाई
(d) Syed Haider Reza / सैयद हैदर रजा

Ans. (c) : स्वदेशी आंदोलन के दौरान चिदम्बरम पिलाई ने 'स्वदेशी स्टीम नैविगेशन कंपनी' की स्थापना की और 'बंगाल केमिकल स्वदेशी स्टोर्स' की स्थापना पी.सी.रे. ने किया।

विशेष तथ्य

➢ स्वदेशी आंदोलन के दौरान 'वन्दे मातरम्' भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का शीर्षक गीत बना।
➢ ब्रिटिश पत्रकार एच. डब्ल्यू. नेविन्सन स्वदेशी आंदोलन से जुड़े थे।
➢ स्वदेशी के प्रचार प्रसार हेतु 'स्वदेशी वस्तु प्रचारिणी सभा' का गठन बाल गंगाधर तिलक द्वारा महाराष्ट्र में किया गया था।

48. In which year and place did the first session of All India Kishan Sabha take Place?
किस वर्ष तथा किस स्थान पर अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम अधिवेशन हुआ?

(a) 1934, Lucknow / 1934, लखनऊ
(b) 1936, Lucknow / 1936, लखनऊ
(c) 1934, Bombay / 1934, बॉम्बे
(d) 1938 Bombay / 1938, बॉम्बे

Ans. (b) : अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना 1936 ई. लखनऊ में स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने किया था।

विशेष तथ्य

➢ गौरीशंकर मिश्र, इन्द्र नारायण द्विवेदी तथा मदन मोहन मालवीय के प्रयत्नों से फरवरी, 1918 में अवध में उ.प्र. किसान सभा की स्थापना की गई। उ.प्र. किसान सभा को शक्तिशाली बनाने में बाबा रामचंद्र, झिंगुरीपाल सिंह व दुर्गापाल सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका थी।
➢ 1920 ई. में बाबा रामचंद्र की मुलाकात पं. जवाहरलाल नेहरू से हुई, बाबा रामचन्द्र ने जवाहरलाल और गौरीशंकर से किसानों की दुर्दशा का अवलोकन करने को कहा। 1920 में उ.प्र. किसान आंदोलन असहयोग आंदोलन के साथ जुड़ गए।
➢ 17 अक्टूबर, 1920 को बाबा रामचन्द्र के प्रयास से 'अवध किसान सभा' का गठन किया गया। इस संगठन को मजबूत बनाने के लिए जवाहरलाल नेहरू, गौरीशंकर, माताबादल पांडे, देवनारायण पांडे, केदारनाथ ने कार्य किया।

49. Which organizaiton was established by Dr. B.r. Ambedkar in 1936?
1936 में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने किस संगठन की स्थापना की?

(a) All India Depressed Classes Congress
ऑल इंडिया डिप्रैस्ड क्लासेज कांग्रेस
(b) Independent Labour Party
इन्डिपेन्डेन्ट लेबर पार्टी
(c) All India Scheduled Caste Federation
ऑल इंडिया शेड्यूल्ड कास्ट फैडरेशन
(d) Republican Party of India
रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया

Ans. (b) :

संगठन	संस्थापक
(1) इन्डिपैन्डेन्ट लेबर पार्टी – 1936	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(2) दि ऑल इडिया डिप्रेस्ड क्लास फेडरेशन – 1920	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(3) बहिष्कृत हितकारिणी सभा–1924	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(4) समाज समता संघ – 1927	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(5) स्वतंत्र श्रमिक पार्टी – 1936	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(6) अनुसूचित जाति संघ (अखिल भारतीय दल के रूप में था)-1942	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

50. Who led a militan movement against forced labour and forest laws during the Non-cooperation movement in the hills of Kumaon and Garhwal?
असहयोग आंदोलन के दौरान किसने कुमाऊँ और गढ़वाल की पहाड़ियों में बेगार तथा वन कानूनों के विरुद्ध एक उग्र आंदोलन का नेतृत्व किया?
(a) Shambhunath Pal /शम्भूनाथ पाल
(b) Badri Dutt Pandey / बद्रीदत्त पाण्डे
(c) Sahajanand Saraswati / सहजानन्द सरस्वती
(d) Gaura Devi / गौरा देवी

Ans. (b) : असहयोग आंदोलन के दौरान 1921 ई. में हरगोविन्द पंत एवं बद्रीदत्त पाण्डेय ने कुमाऊँ और गढ़वाल की पहाड़ियों में बेगार तथा वन कानूनों के विरुद्ध एक उग्र आंदोलन का नेतृत्व किया था।

51. Who wrote a series of articles called 'New Lamps for Old' where in a critique of moderate politics was presented?
किसने 'न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड' शीर्षक से लेखों की एक शृंखला प्रकाशित की जहाँ नरमपंथी राजनीति की आलोचना प्रस्तुत की गई?
(a) Lala Lajpat Rai / लाला लाजपत राय
(b) Bal Gangadhar Tilak / बाल गंगाधर तिलक
(c) Aurobindo Ghosh / अरबिन्दो घोष
(d) Bipin Chandra Pal / बिपिनचन्द्र पाल

Ans. (c) : अरबिन्दो घोष ने 1893 ई. में 'न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड' शीर्षक से लेखों की एक शृंखला प्रकाशित की जहाँ नरमपंथी राजनीति की आलोचना प्रस्तुत की।

विशेष तथ्य

लेखक	समाचार पत्र/ पुस्तकें
(1) अरबिन्दो घोष	(1) वन्देमातरम्, (2) कर्मयोगी, (3) एसेज ऑन गीता (4) डिवाइन लाइफ (आत्मकथा)
(2) लाला लाजपतराय	(1) पंजाबी, (2) वंदेमातरम्, (3) दि पीपुल, पत्रिका का सम्पादन
(3) बालगंगाधर तिलक	(1) मराठा व केसरी जैसी पत्रिकाओं का सम्पादन। (2) गीता रहस्य (3) आर्कटिक होम ऑफ दि आर्यन
(4) विपिन चन्द पाल	(1) मेरे जीवन (2) समय की यादें (3) दि न्यू इंडिया

52. Who was Sentenced to death for shooting A. Jackson, the district magistrat of Nasik?
नासिक के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ए. जैक्सन को गोली मारने के लिए किसे मृत्युदंड दिया गया?
(a) Chapekar Brotthers / चापेकर बंधु
(b) Vanchi Aiyyar / वांची अय्यर
(c) Madanlal Dhingra / मदनलाल धींगड़ा
(d) Anant Lakshman Kanhere / अनन्त लक्ष्मण कन्हेरे

Ans. (d) : नासिक के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ए. जैक्सन को गोली मारने के कारण अनन्त लक्ष्मण कन्हारे को मृत्यु दण्ड दिया गया।

विशेष तथ्य

1. इंडिया हाउस के सदस्य मदनलाल ढींगरा ने 1 जुलाई, 1909 को भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार विलियम कर्जन वाइली को गोली मारकर हत्या कर दी। शीघ्र ही ढींगरा को फांसी पर लटका दिया गया।

2. दामोदर चापेकर एवं बालकृष्ण चापेकर ने 22 जून, 1897 को पुणे के प्लेग कमिश्नर रैण्ड तथा एयर्स्ट की हत्या कर भारत में क्रांतिकारी आतंकवादी गतिविधियों की नींव डालीं कालांतर में चापेकर बंधु को फांसी दे दी गयी।

3. प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस ने 30 अप्रैल, 1908 को बंगाल प्रेसीडेंसी के मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया। प्रफुल्ल चाकी ने पुलिस से बचने के लिए आत्महत्या कर ली तथा खुदीराम बोस को गिरफ्तार करके फांसी दे दी गई।

53. Who played a leading role in the operation to recover women abducted during the partition of India?
किसने भारत के विभाजन के समय अपहृत महिलाओं को वापस लाने में अग्रणी भूमिका निभाई?
(a) Sarojini Naidu / सरोजिनी नायडू
(b) Sarladevi Chaudharani / सरलादेवी चौधरानी
(c) Sucheta Kriplani / सुचेता कृपलानी
(d) Mridula Sarabhai / मृदुला साराभाई

Ans. (d) : मृदुला साराभाई महिलाओं के मौलिक अधिकार, गर्भपात, तलाक और अवैध संतान जैसे मुद्दों पर राज्य से महत्वपूर्ण सिफारिशें करती रही। आजादी के संघर्ष में महिलाओं के संरक्षण करने के मुद्दे पर मृदुला साराभाई का योगदान महत्वपूर्ण है। महिलायें स्वाधीनता आंदोलन में उदासीन नहीं हो इसलिए उन्होंने ''ज्योति संघ'' और ''विकास-गृह'' जैसे गृह की नींव रखी और तमाम सामाजिक कुरीतियों पर मुखर रही। महात्मा गांधी के साथ सांप्रदायिक सामंजस्य बनाए रखने में काम करने का अनुभव आजादी के बाद विभाजन से आए शरणार्थियों के साथ काम आया। सीमा रेखा के दोनों तरफ से उन्होंने हजारों महिलाओं को बाहर निकाला और उनका पुर्नवास कराया।

54. Which issue did the Nehru Liaqat Pact (1950) seek to deal with ?
नेहरू-लियाकत समझौता (1950) किस बात से निपटने के लिये था?
(a) Indus river water sharing dispute
सिंधु नदी जल बंटवारे का विवाद
(b) Security and Rights of Minorities
अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तथा अधिकार
(c) Sharing of Sterling Debt
स्टर्लिंग ऋण का बंटवारा
(d) Border dispute / सीमा विवाद

Ans. (b) : लियाकत अली – पं. जवाहरलाल नेहरू के समझौता (1950) या दिल्ली पैक्ट के तहत दोनों देशों के बीच शरणार्थी, संपत्ति तथा अल्पसंख्यकों के अधिकार के मुद्दों पर समझौता हुआ था।

55. When was Industries (Development and Regulation) Act that laid down the foundation of 'License Raj' in Industrial sector, passed by Parliament?
उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, जिसने औद्योगिक क्षेत्र में 'लाइसेंस राज' की आधारशिला रखी, संसद द्वारा कब पारित हुआ?
(a) 1951 (b) 1952
(c) 1953 (d) 1956

Ans. (a) : उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, जिसने औद्योगिक क्षेत्र में 'लाइसेंस राज' की आधारशिला संसद द्वारा 1951 ई. में पारित हुआ। उद्योग अधिनियम, 1951 के तहत नए औद्योगिक उपक्रम की स्थापना करने, वर्तमान उपक्रम द्वारा नई मद का विनिर्माण करने, उद्योग के स्थल में परिवर्तन करने, वर्तमान क्षमता में पर्याप्त रूप से विस्तार करने और अन्य सभी प्रयोजनों के लिए औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करने की जरूरत होती थी।

56. Who spoke in the Constituent Assembly in 1949 that the members of the Indian Civil Services behaved 'Patriotically and with loyalty' towards the (Indian) Union?
1949 में संविधान सभा में किसने कहा था कि भारतीय सिविल सेवा के सदस्यों ने (भारतीय) 'संघ के प्रति देशभक्ति पूर्ण और निष्ठा' का व्यवहार किया?
(a) Dr. B.R. Ambedkar / डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(b) Jawaharlal Nehru / जवाहरलाल नेहरू
(c) Mahavir Tyagi / महावीर त्यागी
(d) Sardar Vallabhabhai Patel
सरदार वल्लभभाई पटेल

Ans. (d) : 1949 ई. में संविधान सभा में सरदार वल्लभभाई पटेल ने अंतरिम सरकार के अपने पूर्ववर्ती अनुभवों का स्मरण रखते हुए 10 अक्टूबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा की बहस में कहा था, मैं इस सभा के रिकॉर्ड के लिए यह कहना चाहता हूँ कि यदि पिछले दो या तीन वर्षों में सिविल सेवाओं के अधिकारियों ने देशभक्ति की भावना से और निष्ठा से काम नहीं किया होता तो यह संघ समाप्त हो गया होता। आप सभी प्रांतों के प्रीमियरों से पूछिए। क्या कोई भी प्रीमियर सिविल सेवा अधिकारियों के बिना काम करने को तैयार है? वह तत्काल त्यागपत्र दे देगा। उसका गुजारा नहीं है। हमारे पास सिविल सेवा के बचे हुए कुछ ही अधिकारी थे। हमने उन थोड़े से व्यक्तियों के साथ बहुत कठिनाई से कार्य किया है।

57. Which article of the Constitution did the Second Amendment Act of 1952 amend?
1952 के द्वितीय संशोधन अधिनियम से संविधान के किस अनुच्छेद को संशोधित किया?
(a) Article 81 / अनुच्छेद 81
(b) Article 85 / अनुच्छेद 85
(c) Article 87 / अनुच्छेद 87
(d) Article 174 / अनुच्छेद 174

Ans. (a) : 1952 के द्वितीय संशोधन अधिनियम से संविधान के अनुच्छेद 81(1) (ख) में संशोधन कर संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व निर्धारित किया गया ताकि संसद सदस्यों की संख्या 500 से अधिक न हो सके। एक लोकसभा सदस्य 7,50,000 व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व कर सकता है।

58. In which year was Oil and Natural Gas Commission established?
किस वर्ष ऑयल एन्ड नैचुरल गैस कमीशन की स्थापना हुई?
(a) 1952 (b) 1956
(c) 1959 (d) 1964

Ans. (c) : 18 सितम्बर, 1959 को ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कमीशन अधिनियम पारित किया गया, जिसके द्वारा ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कमीशन स्थापित किया गया। उल्लेखनीय है कि 14 अगस्त, 1956 को ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन की स्थापना हुई। इसका मुख्यालय देहरादून है। इसका कार्यक्षेत्र तेल एवं प्राकृतिक गैस है। यह एक महारत्न कंपनी है।

विशेष तथ्य
1. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड/ BHEL की स्थपना 1964 ई. को किया गया, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली है और कार्यक्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स पावर उद्योग है।
2. राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड/ NTPC की स्थापना 1975 ई. में हुई जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और कार्य क्षेत्र इलेक्ट्रिकल ऊर्जा है।
3. इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड IOCL की स्थापना 1959 में की गई जिसका मुख्यालय नई दिल्ली है और कार्यक्षेत्र डीजल गैस व पेट्रोकेमिकल है।

59. Why was Indian National Committee for Space Research formed by the Department of Atomic Energy, government of India?
भारत सरकार के आणविक ऊर्जा विभाग द्वारा अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना क्यों की गई?
(a) To aid and advise in starting the space programme/अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए सहायता व सलाह हेतु
(b) To establish Thumba Equatorial Rocket Launching station/थुम्बा इक्वाटोरियल रॉकेट लांच स्टेशन स्थापित करने के लिए
(c) To develop research laboratory
शोध प्रयोगशाला विकसित करने हेतु
(d) To develop satellite communication network / उपग्रह संचार नेटवर्क विकसित करने के लिए

Ans. (a) : भारत सरकार के आणविक ऊर्जा विभाग द्वारा अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना 1962 ई. में डॉ. विक्रम साराभाई ने किया था जिसका कार्य अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए सहायता व सलाह हेतु निर्माण किया गया था।

60. Who wrote 'Judgements on History and Historians'?
'जजमेंट ऑन हिस्ट्री एण्ड हिस्टोरियन्स' किसने लिखी?
(a) Isaiah Berlin / इसईया बर्लिन
(b) H. Butterfield / एच. बटरफील्ड
(c) K. Manheim / के. मैनहीम
(d) J. Burckhardt / जे. बर्कहार्ट

Ans. (d) :

लेखक	पुस्तकें
(1) Jacob Burckhardt	Judgements on history and historians
(2) Isaiah Berlin	Four Essays on Liberty
(3) K. Manheim	Ideology and Utopia
(4) H. Butterfield	The Origins of Modern Science

61. Which one of the following legislations passed in 1933 gave Hitler and his government dictatorial powers for four years?
1933 में पारित निम्नलिखित में से किस विधान ने हिटलर और उसकी सरकार की चार वर्षो के लिये निरंकुश ताकत प्रदान कर दी?
(a) Enabling Act / विशेषाधिकार अधिनियम
(b) Nuremberg Laws / न्यूरेमबर्ग कानून
(c) Acerbo Laws / अचर्बो कानून
(d) Emancipation Act / उन्मुक्ति अधिनियम

Ans. (a) : मार्च, 1933 में पारित विशेषाधिकार अधिनियम/ Enablingact विधान ने हिटलर और उसकी सरकार को चार वर्षों के लिए निरंकुश ताकत प्रदान की। चुनाव में नात्सियों को मात्र 44% ही मत प्राप्त हुए। फिर भी, हिटलर ने राष्ट्रीय आपात की घोषणा की और एक पूर्णतः नियंत्रित राइखस्टैग – जिसमें उसके नवनिर्वाचित कम्युनिस्ट सदस्यों को भाग नहीं लेने दिया गया था, उसके द्वारा उसको अधिनायकवादी अधिकार प्रदान किया गया। नात्सी क्रांति अब प्रारंभ हो चुकी थी। अपनी नयी व्यवस्था को हिटलर ने 'तृतीय राइख' की संज्ञा दी और उसने यह घोषणा की कि यह तीसरा राइख हजारों वर्ष तक बना रहेगा।

विशेष तथ्य

1. जब न्यूरेमबर्ग कानून, 1935 के द्वारा यहूदियों अथवा यहूदी मूल वाले व्यक्तियों को जर्मन नागरिकता प्राप्त करने तथा उनके एवं विशुद्ध जर्मनों के बीच शादी-विवाह होने पर रोक लगा दी गयी। यहूदियों पर यह प्रतिबंध लगा कि वे किसी जर्मन महिला को सेविका नियुक्त नहीं कर सकते। इस बात पर भी यहूदियों को बाध्य किया गया कि जब कभी भी वे बाजार या गलियों में निकले तो अपने पोशाक पर डेविड का पीला तारा लगाये रखें। उन्हें घेटो (Ghetto) में रहने पर बाध्य किया गया।
2. अचर्बो कानून – (1923) इटली में चुनावी कानून था।
3. उन्मुक्ति अधिनियम – अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने 1 जनवरी, 1863 ई. में पारित किया था।

62. Who wrote 'The protestant Ethic and the spirit of capitalism'?
'द प्रोटेस्टेन्ट एथिक एंड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म' किसने लिखी?

(a) Francis Fukuyama / फ्रांसिस फुकूयामा
(b) Max Weber / मैक्स वैबर
(c) Edward Said / एडवर्ड सईद
(d) Andre Gunder Frank / आंद्रे गुन्दर फ्रेंक

Ans. (b) :

लेखक	पुस्तकें
(1) मैक्स वेबर	द प्रोटेस्टेन्ट एथिक एंड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म
(2) फ्रांसिस फुकुयामा	1. द एंड ऑफ हिस्ट्री एंड द लास्ट मैन 2. द ओरिजिंस ऑफ पॉलिटिकल ऑर्डर
(3) एडवर्ड सईद	1. ओरिएंटलिज्म (1978) 2. कल्चर एंड इम्पीरियलिज्म
(4) आंद्रे गुन्डर फ्रैंक	1. री ओरिएंट : ग्लोबल इकोनॉमी इन द एशियन एज

63. Who propounded the hypothesis that imperialism was the result of the competition for captive markets inherent in capitalism?
यह परिकल्पना किसने प्रतिपादित की कि साम्राज्यवाद पूँजीवाद में अन्तर्निहित एकाधिकार बाजार के लिये होड़ का परिणाम था?

(a) J.A. Hobson / जे.ए. हॉब्सन
(b) James Mill / जेम्स मिल
(c) Jeremy Bentham / जैरेमी बेन्थम
(d) Arnold Toynbee / आरनोल्ड टॉयन्बी

Ans. (a) : जे.ए. हॉब्सन ने 1903 ई. में प्रकाशित पुस्तक Imperialism : A Study में यह परिकल्पना प्रतिपादित की कि साम्राज्यवाद पूँजीवाद में अन्तर्निहित एकाधिकार बाजार के लिये होड़ का परिणाम था। हॉब्सन का तर्क इस प्रकार है, ''यदि राष्ट्रीय आय का और अधिक भाग श्रमिकों को मजदूरी के रूप में दिया जाता, पूँजीपतियों को सूद तथा लाभांश के रूप में कम मिलता या यदि धनी लोगों पर भारी कर लगाया जाता तथा प्राप्त धन को जनकल्याण के कार्यों में लगाया जाता तो अतिरिक्त पूँजी संचयन की समस्या नहीं होती और न ही वास्तविक साम्राज्यवाद होता।''

64. What was not the principle adopted at the Bandung Conference and accepted at the first NAM summit meeting?
बान्डुंग सम्मेलन में पारित और प्रथम नाम (गुट निरपेक्ष आन्दोलन) शिखर बैठक में स्वीकृत सिद्धांतों में कौन-सा नहीं था?

(a) Mutual non-aggression / पारस्परिक अनाक्रमण
(b) Peaceful co-existence / शान्तिपूर्ण सहआस्तित्व
(c) Mutual defence against foreign aggression
विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध पारस्परिक सुरक्षा
(d) Non-interference in each – other's affairs
एक-दूसरे के मामलों में अहस्तक्षेप

Ans. (c) : 1955 में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति अहमद सुकार्णो ने 17 से 24 अप्रैल तक बान्डुंग में एशियाई और अफ्रीकी देशों का एक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में 29 देशों ने भाग लिया। इसमें शामिल विशिष्ट नेताओं में जवाहरलाल नेहरू, चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई और मिस्र प्रधानमंत्री (बाद में राष्ट्रपति) गमाल अब्दुल नासिर के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इस सम्मेलन में बहुत से ऐसे देश भी जैसे कि पाकिस्तान, ईरान, इराक, फिलीपींस, तुर्की और थाइलैंड शामिल हुए थे जो संयुक्त राज्य के तत्वाधान में बनाए सैनिक गठबंधनों के सदस्य थे, तथापि इसमें सर्वानुमति से स्वीकृत विज्ञप्ति में उन विचारों का स्पष्ट प्रतिपादन किया गया था जिनमें गुटनिरपेक्षता के कतिपय मूलभूत सिद्धांत समाहित थे। बांडुंग सम्मेलन गुटनिरपेक्ष आंदोलन के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। साथ ही यह एशिया और अफ्रीका के देशों का जिनमें दुनिया की आधी आबादी बसती थी का सबसे बड़ा सम्मेलन था।

विशेष तथ्य

पंचशील समझौता

पं. नेहरू जी ने पंचशील सिद्धांत को बौद्ध दर्शन से लेकर भारतीय विदेश नीति में समाहित कर दिया। पंचशील में पांच सिद्धांतों का समन्वय किया गया है-

1. एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखण्डता एवं सम्प्रभुता का सम्मान करना।
2. परस्पर अनाक्रमण।
3. समानता और पारस्परिक हित।
4. एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।
5. शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व।

65. When was Nelson Mandela sentenced to Jail?
नेलसन मंडेला को जेल की सजा कब मिली थी?

(a) 1960 (b) 1962
(c) 1964 (d) 1966

Ans. (c) : 5 अगस्त, 1962 को नेल्सन मंडेला को मजदूरों को हड़ताल के लिए उकसाने और बिना अनुमति देश छोड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर मुकदमा चलाया गया और 1964 ई. में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

विशेष तथ्य

नेल्सन मंडेला को 1964 से 1990 तक रंगभेद और अन्याय के खिलाफ लड़ाई करने के चलते उन्हें जेल में जीवन के 27 वर्ष गुजारने पड़े। उन्हें रॉबेन द्वीप के कारागार में रखा गया था जहाँ उन्हें कोयला मजदूर के रूप में कार्य करना पड़ा था। जेल में रहते हुए उन्होंने अपनी जीवनी लिखी जिसका प्रकाशन 1994 से ''लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम : दि ऑटोबायोग्राफी ऑफ नेल्सन मंडेला'' पुस्तक के रूप में किया। 11 फरवरी, 1990 को जेल से रिहा होने के बाद ''समझौते और शान्ति की नीति द्वारा उन्होंने एक लोकतांत्रिक एवं बहुजातीय अफ्रीका की नींव रखी। 1994 में दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद रहित चुनाव हुए अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस ने 62 प्रतिशत मत प्राप्त किए और बहुमत के साथ नेल्सन मंडेला 10 मई, 1994 को दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने।

66. Which of these organizations emphasizes on the liberalization of foreign investment and foreign trade?
इनमें से कौन-सा संगठन विदेशी पूँजी निदेश और विदेशी व्यापार के उदारीकरण पर बल देता है?
(a) International Monetary Fund/अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(b) World Health Organization/विश्व स्वास्थ्य संगठन
(c) World Trade Organization / विश्व व्यापार संगठन
(d) International Labour Organization
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

Ans. (c) :

संगठन	स्थापना वर्ष / मुख्यालय
(1) विश्व व्यापार संगठन	जनवरी, 1995/ जेनेवा, स्विट्जरलैंड
(2) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	जुलाई, 1944/ वाशिंगटन, अमेरिका
(3) विश्व स्वास्थ्य संगठन	7 अप्रैल, 1948/ जेनेवा, स्विट्जरलैंड
(4) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन	अक्टूबर, 1919 जेनेवा, स्विट्जरलैंड

67. Who wrote Diwan-i- Makhfi?
दीवान-ए-मख्फी की रचना किसने की?
(a) Jahanara / जहाँआरा (b) Zebunnisa / जेबुन्निसा
(c) Nurjahan / नूरजहाँ (d) Razia / रजिया

Ans. (b) :

रचनाकार	रचना
(1) जेबुन्निसा	दीवान-ए-मख्फी
(2) जहाँआरा (उपनाम-मख्फी)	1. मूनिस – अल – अरवाह 2. साहिबिया

विशेष तथ्य

1. गुलबदन बेगम	हुमायूँनामा
2. जौहर अफ्तावची	तजकिरात-उल-वाकियात
3. खोंदमीर/गियासुद्दीन	कानून-ए-हुमायूँ या हुमायूँनामा

68. What was the name of the scientific encyclopedia written by Maulana Barari in 1673-74?
मौलाना बरारी द्वारा 1673-74 में लिखित वैज्ञानिक विश्वकोष का नाम क्या था?
(a) Bahar Azam / बहर आजम
(b) Insha – i - Faizi / इंशा – ए - फैजी
(c) Akla – i - Asrah / अक्ल – ए - असराह
(d) Farhang – i – Rashidi / फरहंग – ए - रशीदी

Ans. (c) : मौलाना बरारी ने 1673-74 में 'अक्ल-ए-असराह' नामक वैज्ञानिक विश्व कोष तैयार किया था।

विशेष तथ्य

1. स्टिनगैस कृत फारसी – अंग्रेजी कोश का आधार अब्दुर्रशीद की पुस्तक 'फरहंग-ए-रशीदी' है।

69. Name the book written by Fakhr - i - Mudabbir on the art of war -
फख्र – ए – मुदाब्बिर द्वारा युद्ध कला पर लिखी गई पुस्तक का नाम बताइए।
(a) Kitab – as – Saydana / किताब – अस - सयदना
(b) Chachnama / चचनामा
(c) Tutinama / तूतीनामा
(d) Adab – ul – Harb / अबद – उल – हर्ब

Ans. (d) :

लेखक	पुस्तक
(1) फख्र-ए-मुदाब्बिर	अदब-उल-हर्ब
(2) जिया अल-दीन नख्शबी	तूतीनामा
(3) मुहम्मद-इब्न-अहमद अलबरुनी	किताब-अस-सयदना
(4) अज्ञात लेखक	चचनामा

70. In whose reign did the Persian traveler Abdur Razzak visit the Vijaynagar kingdom?
फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक किसके शासनकाल में विजयनगर साम्राज्य में आया था?
(a) Harihar-I / हरिहर प्रथम
(b) Devraya-I / देवराय प्रथम
(c) Devraya-II / देवराय द्वितीय
(d) Krishnadevraya / कृष्णदेवराय

Ans. (c) :

शासक	यात्री
(1) देवराय द्वितीय	अब्दुर्रज्जाक – 1442 ई.
(2) देवराय प्रथम	निकोलो कोण्टी (1420-22) ई.
(3) कृष्णदेव राय	डोमिंगो पायस (1520-22) ई.

71. Sultan garhi was mansoleum of -
सुल्तान गढ़ी मकबरा था -
(a) Balban / बलबन का
(b) Nasiruddin Mahmud / नासिरुद्दीन महमूद का
(c) Qutbuddin Aibak / कुतबुद्दीन ऐबक का
(d) Razia / रजिया का

Ans. (b) : सुल्तान गढ़ी मकबरा – यह इल्तुतमिश के पुत्र नासिरुद्दीन महमूद का मकबरा (1231 ई. में निर्मित) है जो कि कुतुबमीनार से तीन मील की दूरी पर मलकापुर में है। इल्तुतमिश भारत में मकबरा शैली के स्थापत्य का जन्मदाता था।

72. Which temple is dedicated to the Vaishnav saint Andal?
वैष्णव संत अण्डाल को कौन-सा मंदिर समर्पित है?
(a) Srivilliputhr / श्रीविल्लिपुथ्र
(b) Tiruranganathaswamy / तिरूरंगनाथास्वामी
(c) Har Sabha Vimochana Perumal
हरसभा विमोचन पेरूमल
(d) Manikundram / मणिकुन्द्रम

Ans. (a) : दक्षिण भारत की मीरा अंडाल/अंदाल तमिलनाडु की प्रसिद्ध कवि और संत थी। उन्हें भूमि देवी (धरती माता) का अवतार माना जाता है। मार्गशीर्ष महीनें के दौरान, थिरुप्पावई पर्व पर प्रवचन होता था, श्री विल्लीपुथुर मंदिर अंडाल को समर्पित है। अधिकांश विष्णु मंदिरों में अंडाल के लिए एक अलग मंदिर होता है। अंडाल को भगवान विष्णु के प्रति समर्पित माना जाता है।

73. Which Sultan introduced the tradition of writing the name of mint on the coins in India?
सिक्कों पर टकसाल का नाम लिखने की परंपरा भारत में किस सुल्तान ने शुरू की?
(a) Alauddin Khilji / अलाउद्दीन खिलजी
(b) Muhammad – bin - Tughlaq
मुहम्मद बिन तुगलक
(c) Balban / बलबन
(d) Iltutmish / इल्तुतमिश

Ans. (d) : इल्तुतमिश प्रथम सुल्तान था जिसके सिक्कों पर टकसाल (जिस शहर में वे ढाले जाते थे) का नाम उत्कीर्ण करवाने की परंपरा प्रारंभ की (सर्वप्रथम 1219 ई. में चांदी के टंके पर)। उसके एक सिक्के पर टकसाल का नाम 'बिलाल हिन्द' मिलता है।

विशेष तथ्य

1. बलबन ने अलवर, सुल्तानपुर व फक्राबाद में नए टकसाल गृह खुलवाए।
2. अलाउद्दीन के स्वर्ण सिक्कों का भार 167-170 ग्रेन है ये दिल्ली व देवगिरी से निर्गत किए गए है। इन सिक्कों पर अंकित अनुश्रुति भी पूर्व के सिक्कों से भिन्न है व इनमें एक ओर अल सुल्तान अल आजम, अलाउद्दीन वाल दीन अबु अल मुज्जफर मुहम्मदशाह अल सुल्तान खिलाफतेह नासिर अमीर मुमेनीन तथा दूसरी ओर सिकन्दर सानी यामीन अल (दूसरा सिकन्दर) के साथ टकसाल का नाम व तिथि अंकित है। इस प्रकार उसने अपने सिक्कों पर से खलीफा का नाम भी हटा दिया।
3. मुहम्मद तुगलक के समय सर्वाधिक टकसाल गृहों से सिक्के निर्गत किए गए यथा- दिल्ली, धार, रणथम्भौर, लखनौती, सतगांव, सुल्तानपुर, मुल्क-ए-तिलंग, तुगलकपुर (तिरहुत) व दौलताबाद आदि।

74. Who was the patron of scholar Vidya Chakravartin ?
विद्वान विद्याचक्रवर्तिन का संरक्षक कौन था?

(a) Prataprudra Dev / प्रतापरूद्र देव
(b) Vir Ballal III / वीर बल्लाल तृतीय
(c) Virupakya / विरूपाक्य
(d) Krishnadev Raya / कृष्णदेवराय

Ans. (b) :

संरक्षक	विद्वान जन
(1) वीर बल्लाल तृतीय	विद्याचक्रवर्तिन
(2) प्रताप रूद्र देव	1. जगन्नाथ दास
	2. बलराम दास
(3) कृष्णदेव राय	अल्लासानी पेड्डना

75. Who was defeated in the battle of Raichur?
रायचूर के युद्ध में कौन पराजित हुआ था?

(a) Yusuf Adil Shah / युसुफ आदिल शाह
(b) Ismail Adil Shah / इस्माइल आदिल शाह
(c) Mallu Adil Shah / मल्लू आदिल शाह
(d) Ibrahim Adil Shah / इब्राहिम आदिल शाह

Ans. (b) : 1520 ई. में बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिल खां ने उड़ीसा के गजपतियों से गठबंधन कर 'रायचूर दोआब' को अधिकृत कर लिया। इसको पुनः प्राप्त करने के कृष्णदेव राय के अभियान का नूनिज ने वर्णन किया है। उसने 10 लाख सैनिकों के साथ प्रस्थान कर रायचूर दोआब का घेरा डाला। 19 मई, 1520 ई. को दोनों पक्षों में निर्णयात्मक युद्ध हुआ। प्रारंभ में मुस्लिम सेना द्वारा तोपों के प्रयोग में सघन हिन्दू सैन्य पंक्तियों को भारी क्षति पहुँची, लेकिन अन्ततः कृष्णदेव राय की सैन्य कुशलता की बदौलत मुस्लिम नेताओं को तीतर-बीतर कर दिया गया। इस्माइल आदिल खाँ ने स्वयं किसी प्रकार हाथी पर सवार होकर युद्ध मैदान से भागकर अपनी जान बचाई।

76. Who is famous for cutting noses of invading Mughal army?
आक्रान्ता मुगल सेना की नाक काटने के लिए कौन प्रसिद्ध है?

(a) Rani Karnavai of Garhwal
गढ़वाल की रानी कर्णावती
(b) Rani Abbakka of Goa/गोआ की रानी अबक्का
(c) Rani Ahilya Bai of Indore
इन्दौर की रानी अहिल्याबाई
(d) Rani Tara Bai of Satara/सतारा की रानी तारा बाई

Ans. (a) : आक्रांन्ता मुगल सेना की नाक काटने के लिये गढ़वाल की रानी कर्णावती प्रसिद्ध है।

77. According to Merutung's Prabandh Chintamani, who among the following defeated Muhammad Gori?
मेरूतुंग की प्रबंध चिन्तामणि के अनुसार निम्नलिखित में से किसने मुहम्मद गोरी को हराया था?

(a) Nayaki Devi / नायकी देवी
(b) Vinayavati / विनयावती
(c) Mahadevi / महादेवी
(d) Rudramma Devi / रूद्रम्मा देवी

Ans. (a) : 1178 ई. में मुहम्मद गोरी ने गुजरात पर आक्रमण किया। यहाँ के शासक मूलराज या भीम द्वितीय ने अपनी विधवा माँ नायिका देवी के नेतृत्व में आबू पहाड़ के निकट काशहद के मैदान में मुहम्मद गोरी को पराजित किया। भारत में मुहम्मद गोरी की पहली पराजय थी।

78. Who was the Tomar ruler of Gwalior when Sikander Lodi attacked but could not capture the fort?
सिकंदर लोदी ने जब आक्रमण किया और दुर्ग न जीत पाया, उस समय ग्वालियर का तोमर शासक कौन था?

(a) Kalyanmal / कल्याणमल
(b) Mansingh / मानसिंह
(c) Kirtisingh Dev / कीर्तिसिंह देव
(d) Vikramaditya / विक्रमादित्य

Ans. (b) : सिकंदर लोदी राजपूत राज्यों को जीतने में अवश्य सफल रहा परन्तु ग्वालियर के तोमर शासक मानसिंह को पूर्णतः अपनें वश में नहीं कर पाया।

79. Against which Mughal general did Rani Duravati fight her last battle?
किस मुगल सेनापति के विरुद्ध रानी दुर्गावती ने अपना अंतिम युद्ध लड़ा था?

(a) Tardi Beg / तार्दी बेग
(b) Ali Quli Khan / अली कुली खान
(c) Asaf Khan / आसफ खान
(d) Adham Khan / अधम खान

Ans. (c) : अकबर ने 1564 ई. में आसफ खाँ को गढ़कटंगा पर अधिकार करने के लिए भेजा। चौरागढ़ के निकट रानी दुर्गावती ने मुगलों की विशाल सेना का मुकाबला किया। वह दो दिन तक वीरतापूर्वक लड़ती रही। अन्ततः पराजय को निश्चित मानकर अपने सम्मान की रक्षा के लिए स्वयं को छुरा घोपकर आत्महत्या कर ली।

80. In revenue system, who among the following took the definite step of replacing the system of measurement by sharing of the produce in the khalsa areas?
राजस्व प्रणाली के अंतर्गत खालसा क्षेत्रों में मापन प्रणाली के स्थान पर उपज के बँटवारे की प्रथा लाने की दिशा में ठोस कदम निम्नलिखित में से किसके द्वारा उठाया गया?

(a) Alauddin Khilji / अलाउद्दीन खिलजी
(b) Balban / बलबन

(c) Ghiyasuddin Tughlaq / ग्यासुद्दीन तुगलक
(d) Muhammad bin Tughlaq / मुहम्मद बिन तुगलक

Ans. (c) : बरनी इस सम्बन्ध में विवरण देता है कि ग्यासुद्दीन तुगलक ने अलाउद्दीन की पैमाइश व्यवस्था (जिसके अंतर्गत – जोत में आने वाले क्षेत्र के अनुसार किसान को राज्य का हिस्सा देना पड़ता था) को त्याग दिया तथा नस्क या हुक्म-ए-हासिल (जमीन की पैदावार को मोटे तौर पर आँकना) और बटाई प्रणाली को पुनः शुरू किया। उसने खालसा क्षेत्रों में मापन प्रणाली के स्थान पर उपज के बंटवारे की प्रथा लाने की दिशा में ठोस कदम उठाये, जिसे किसानों को राहत देने वाला उपक्रम माना गया।

81. Which Son of Shahjahan bought in the batte of Bahadurpur during the war of succssion?
उत्तराधिकार के युद्ध में शाहजहाँ के कौन से पुत्र ने बहादुरपुर के युद्ध में लड़ाई की थी?

(a) Dara Shiokoh / दारा शिकोह
(b) Shahshuja / शाहशुजा
(c) Aurangzeb / औरंगजेब
(d) Murad Baksh / मुराद बख्श

Ans. (b) : उत्तराधिकार के युद्ध में शाहजहाँ के पुत्र शाहशुजा एवं शाही सेना (सुलेमान शिकोह एवं मिर्जा राजा जयसिंह के नेतृत्व में) के बीच बनारस से 5 किमी. दूर बहादुरपुर में फरवरी, 1658 ई. में हुआ। जिसमें शाहशुजा पराजित हुआ और बंगाल वापस चला गया।

82. What part of chauth was called Mokasa?
चौथ का कितना भाग मोकासा कहलाता था?

(a) 1/3 (b) 2/3
(c) 1/4 (d) 3/4

Ans. (b) : शिवाजी ने अपनी आय में वृद्धि करने के लिए 'चौथ कर' एकत्रित करने की शुरुआत की थी जो मराठों के आय का प्रमुख साधन था। बाद में चौथ कर उनके राज्य विस्तार में सहायक सिद्ध हुए। ये कर पड़ोसी राज्यों की सीमाओं और नगरों से अथवा अपने प्रभाव-क्षेत्र के नागरिकों से वसूल किये जाते थे। 'चौथ' उस प्रदेश अथवा नगर की वार्षिक आय का एक चौथाई (1/4) भाग था। 25 प्रतिशत होता था जिसे 4 भागों में विभाजित किया गया-
1. बबती–चौथ की आय का 1/4 (25 प्रतिशत) भाग राजा के लिए था।
2. सहोत्रा – आय का 6 प्रतिशत भाग पन्त सचिव के लिए था।
3. नाडगुण्डा – 3 प्रतिशत भाग जो राजा की इच्छा पर निर्भर था।
4. मोकासा – आय का 66 प्रतिशत (2/3) मराठा सरदारों को दिया जाता था।

विशेष तथ्य

मोकासा- मराठा प्रशासन में नकद वेतन के बदले दिया जाने वाला भूमि अनुदान मोकासा कहलाता था। यह सैनिक सेवा के बदले प्राप्त राजस्व मुक्त भूमि थी।

83. What was meant by mahsul?
महसूल से क्या अभिप्राय था?

(a) Khalsa revenue / खालसा राजस्व
(b) Expected revenue / अपेक्षित राजस्व
(c) Actual revenue / वास्तविक राजस्व
(d) Revenue arrears / बकाया राजस्व

Ans. (c) : महसूल या हाल-ए-हासिल – यह जागीर से वास्तविक रूप से प्राप्त आय होती थी।

विशेष तथ्य

1. खालसा महाल – बादशाह की भूमि। जहाँगीर के काल में खालिसा आय घटकर संपूर्ण आय का केवल बीसवां भाग (5%) रह गया था।
2. महाल-ए-पैबाकी – जागीर आवंटन हेतु आरक्षित (Reserve) एवं अप्रदत्त भूमि थी।
3. जमींदाराने रैयती – भू-राजस्व देने वाले जमींदार।
4. जमींदाराने जोरतलब – भू-राजस्व न देने वाले जमींदार।

उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (b) माना है।

84. Where did Murshid Quli Khan introduce the Zabti system?
मुर्शिद कुली खान ने जब्ती व्यवस्था कहाँ प्रारंभ की?

(a) Lahore / लाहौर (b) Malva/ मालवा
(c) Gujarat / गुजरात (d) Deccan/ दक्कन

Ans. (d) : मुर्शिद कुली खान ने जब्ती व्यवस्था दक्कन से प्रारंभ की थी।

विशेष तथ्य

1652 ई. में औरंगजेब को दूसरी बार दक्षिण का सूबेदार बनाया गया तो उसके साथ पारसी मुर्शिद कुली खाँ को दक्षिण का दीवान नियुक्त किया गया। मूलरूप से मुर्शिद कुली खाँ, अली मर्दान खाँ का साथी था। औरंगजेब एवं मुर्शिद ने संयुक्त रूप से दक्षिण की भू-राजस्व व्यवस्था को सुधारा। मुर्शिद कुली खाँ को 'दक्षिण का टोडरमल' कहा जाता है क्योंकि, उसने यहाँ टोडरमल की पैमाइश तथा कर निर्धारण प्रणाली को लागू किया था।

85. Who was in charge in general administration as member of Shivaji's Ashtapradhan?
शिवाजी के अष्टप्रधान के सदस्य के रूप में सामान्य प्रशासन का प्रभारी कौन था?

(a) Moro Triyambak Pingley / मोरो त्र्यंबक पिंगले
(b) Ramchandra Majumdar / रामचन्द्र मजूमदार
(c) Annjali Datto / अन्नाजी दत्तो
(d) Dattaji Wakanis / दत्ताजी वाकणीस

Ans. (a) : शिवाजी के प्रशासन में सहायता के लिए अष्टप्रधान/आठ बड़े अधिकारी होते थे जो शासन का वास्तविक संचालन करते थे जिसका कार्य राजा को परामर्श देना मात्र था। ये अष्टप्रधान लोग शिवाजी के सचिव के रूप में कार्य करते थे।
पेशवा – प्रधानमंत्री या मुख्य प्रधान होता था। इसका कार्य संपूर्ण राज्य के शासनकाल की देखभाल करना था। राजा की अनुपस्थिति में उसके कार्यों की देखभाल करना था सरकारी पत्रों तथा दस्तावेजों पर राजा के नीचे अपनी मुहर लगता था। शिवाजी का प्रथम पेशवा मोरोपंत पिंगले (मोरो त्रम्बक पिंगले) था।

86. Who was the finance minister of Shivaji who also guided latter Maratha rulers?
शिवाजी के वह वित्तमंत्री कौन थे जिन्होंने परवर्ती मराठा शासकों का भी मार्गदर्शन किया?

(a) Moreshwar Pingley /मोरेश्वर पिंगले
(b) Bahiroji Pingley / बहिरोजी पिंगले
(c) Moropant Triyambak Pingley/मोरोपंत त्र्यम्बक पिंगले
(d) Ramchandra Pant Bavdekar/रामचन्द्र पंत बावडेकर

Ans. (d) : शिवाजी के वित्तमंत्री रामचन्द्र पंत बावेडकर थे जिन्होंने परवर्ती मराठा शासकों का भी मार्गदर्शन किया।

विशेष तथ्य

मंजूमदार या अमात्य – राज्य का वित्तमंत्री था। राजस्व विभाग का अधीक्षक यही होता था। इस पद पर शिवाजी ने रामचंद्र नीलकंठ की नियुक्ति की थी।

87. Which Delhi Sultan imposed grazing tax?
दिल्ली के किस सुल्तान ने चराई कर लगाया ?

(a) Qutbuddin Aibak / कुतुबुद्दीन ऐबक
(b) Iltutmish / इल्तुतमिश

(c) Balban / बलबन
(d) Alauddin Khilji / अलाउद्दीन खिलजी

Ans. (d) : दिल्ली के अलाउद्दीन खिलजी ने भूराजस्व के अतिरिक्त सर्वप्रथम 'चराई' कर लगाया। 'चराई कर/ चरी कर' सभी दुधारू पशुओं (गाय, बकरी, भैंस, भेड़ आदि) पर कर था।

विशेष तथ्य

फरिश्ता के अनुसार साधारण किसान (बलाहार) और मुकद्दम के लिए मवेशियों की निम्नलिखित संख्या निश्चित की गई- खेती के लिए दो जोड़ी बैल, दो गायें, एक जोड़ी भैंस व दस बकरियाँ अर्थात ये कर से मुक्त थे।

88. Who wrote that the modern magistrate and collector of British India is the official successor of the Shiqdar – i – Shiqdaran of Shershah?
किसने लिखा कि 'ब्रिटिश काल के आधुनिक मजिस्ट्रेट और कलेक्टर शेरशाह के शिकदार-ए-शिकदारान के वैधानिक उत्तराधिकारी थे?

(a) William Erskine / विलियम अर्स्काइन
(b) V.A. Smith / वी.ए. स्मिथ
(c) K.R. Qanungo / के.आर. कानूनगो
(d) Ishwari Prasad / ईश्वरी प्रसाद

Ans. (c) : के.आर. कानूनगो (कालिका रंजन कानूनगो) ने लिखा है कि 'ब्रिटिश काल के आधुनिक मजिस्ट्रेट और कलेक्टर शेरशाह के शिकदार – ए- शिकदारान के वैधानिक उत्तराधिकारी थे।

89. Who was the first sultan to impose irrigation tax?
सिंचाई कर लगाने वाला प्रथम सुल्तान कौन था?

(a) Balban / बलबन
(b) Alauddin Khilji / अलाउद्दीन खिलजी
(c) Firozshah Tughlaq / फिरोजशाह तुगलक
(d) Sikandar Lodi / सिंकदर लोदी

Ans. (c) : हक-ए-शर्ब/हाब ए शर्ब (सिंचाई कर) यह कर लगाने वाला फिरोजशाह तुगलक दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था। इस कर की दर कुल उपज की 10 प्रतिशत रखी गयी। इस कर से फिरोज शाह तुगलक को 2 लाख टंका वार्षिक आय प्राप्त होती थी। वह इसे धार्मिक व्यक्तियों व विद्वानों के बीच दान के रूप में बाँट देता था।

विशेष तथ्य

फरिश्ता के अनुसार – जहाँ पर नहरे नहीं थी वहाँ फिरोज ने बाँध बनवाकर 30 विशाल जलाशयों का निर्माण करवाया।
अफीफ के अनुसार – सुल्तान ने दिल्ली व उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में 7 बांधों का निर्माण करवाया।

90. What was the meaning of 'Raee' in the administration of Shershah?
शेरशाह के प्रशासन में 'राई' का क्या तात्पर्य था?

(a) Demand of state / राज्य की माँग
(b) Agriculture Product / कृषि उत्पाद
(c) Measurement Unit / मापन इकाई
(d) Militay Title / सैन्य उपाधि

Ans. (a) : शेरशाह के प्रशासन में 'राई' का तात्पर्य राज्य की माँग था।

विशेष तथ्य

जब्ती की एक मुख्य विशेषता थी जमीन की नपाई करना तथा 'राई' या फसलों की दरों की अनुसूची तैयार करना। कृषियोग्य भूमि को उत्तम, मध्यम और निम्न तीन श्रेणियों में बांटा जाता था। तीनों श्रेणियों की भूमि की प्रति बीघा मानक उपज को जोड़ लिया जाता था और तीन से भाग करके उसका औसत निकाल लिया जाता था। इस प्रकार उस औसत का एक तिहाई भाग राज्य की मांग (राई) के रूप में निर्धारित किया जाता था। यद्यपि राज्य की माँग को अनाज के रूप में दिखाया जाता था (दस्तूर या दस्तूरूल-अमल)। अपने शासन के ग्यारहवें वर्ष में अकबर ने शाही शिविर में प्रचलित दरों के आधार पर एकसमान कीमत सूची प्रचलित की। बाद में स्थानीय कीमतों को ध्यान रखना आवश्यक हो गया जिनके आधार पर राज्य की मांग की जाती थी। जब आइने-दहसाला की प्रणाली स्वीकार कर ली गयी, तब इस प्रणाली का परित्याग कर दिया गया।

91. Of how many grains was the silver rupee of Shershah?
शेरशाह का चाँदी का रुपया कितने ग्रेन का था?

(a) 176 (b) 177
(c) 178 (d) 179

Ans. (c) : शेरशाह के सिक्के दो प्रकार के मुख्य थे। चाँदी का रुपया 178 ग्रेन का था और ताँबे का दाम 380 ग्रेन का था शेरशाह ने टकसालों की संख्या बढ़ाकर 23 कर दी। इनमें से कुछ जिन स्थानों पर थी, उनके नाम है आगरा, ग्वालियर, उज्जैन, लखनऊ, शेरगढ़ (सासाराम), आबू, सक्कर, बक्कर (सिंध)।

92. When did Aurangzeb implement Jaziya?
औरंगजेब ने जजिया कब लगाया?

(a) 1677 A.D. / 1677 ईस्वी
(b) 1678 A.D. / 1678 ईस्वी
(c) 1679 A.D. / 1679 ईस्वी
(d) 1680 A.D. / 1680 ईस्वी

Ans. (c) : औरंगजेब अपने शासन काल के 22वें वर्ष, 12 अप्रैल, 1679 ई. में जजिया कर लगाया।

विशेष तथ्य

तीर्थयात्रा कर – 1663 ई.
संगीत पर प्रतिबंध – 1669 ई.
झरोखा दर्शन पर प्रतिबंध – 1669 ई.
तुलादान पर प्रतिबंध – 1670 ई.

93. What was the work of 'Sawanih Nigar' in Mughal administration?
मुगल प्रशासन में 'सावनिह निगार' का क्या कार्य था?

(a) Control on Jagirdars / जागीरदारों पर नियंत्रण
(b) Control of Labourers / मजदूरों पर नियंत्रण
(c) Control on Traders / व्यापारियों पर नियंत्रण
(d) Control on Usurers / सूदखोरों पर नियंत्रण

Ans. (a) : सावनिहनिगार – मुगल प्रशासन में जागीरदारों पर नियंत्रण रखने के लिए एक महत्वपूर्ण अभिकरण 'सावनिह निगार' था जो जागीरदारों की कार्यवाहियों और जागीरों की तत्कालीन स्थिति का विवरण केंद्र को भेजता था।

94. In which year of Akbar's reign were Mansabs given?
अकबर के शासनकाल के किस वर्ष में मनसब प्रदान किये गये?

(a) Ninth /नौवें (b) Tenth / दसवें
(c) Eleventh / ग्यारहवें (d) Twelfth / बारहवें

Ans. (c) : अकबर के शासनकाल के ग्यारहवें वर्ष में पहली बार 'मनसब' प्रदान किए जाने का संदर्भ प्राप्त होता था। यह कोई पदवी या पद-संज्ञा नहीं थी, प्रत्युत इसमें मुगल प्रशासनिक सेवा अनुक्रम में किसी व्यक्ति या अमीर की स्थिति का बोध होता था।

विशेष तथ्य

14 फरवरी, 1556 ई. को 13 वर्ष 4 माह की उम्र में अकबर का राज्याभिषेक पंजाब के गुरुदासपुर के कलानूर में हुआ था। राज्याभिषेक ईंटों के सिंहासन पर बैरमखाँ की देख-रेख में अबुल कासिम ने किया था। इस राज्याभिषेक का विरोध अबुल मआली ने किया था।

95. Where was Nayankar system pevalent?
नायंकर व्यवस्था कहाँ प्रचलित थी?

(a) Bahmani empire / बाहमनी साम्राज्य
(b) Vijaynagar empire / विजयनगर साम्राज्य
(c) Area of Malwa / मालवा क्षेत्र
(d) Administraton of Gujarat / गुजरात प्रशासन

Ans. (b) : नायंकार व्यवस्था (सैन्य भू – धारण अधिकार) जिस प्रकार दिल्ली सल्तनत की प्रान्तीय व्यवस्था 'इक्ता व्यवस्था' पर टिकी थी उसी समान विजयनगर कालीन 'नायंकर व्यवस्था' प्रान्तीय व्यवस्था की हिस्सा थी। चोल युग व विजयनगर युग के राजतंत्र के बीच सबसे बड़ा अंतर यही नायंकर-व्यवस्था है। विजयनगर साम्राज्य में इस व्यवस्था को सुदृढ़ व भली-भांति विकसित करने का श्रेय कृष्णदेव राय को दिया जाता है। नायक प्रणाली स्वरूप को लेकर इतिहासकारों में मतभेद है। कुछ इतिहासकारों के अनुसार विजयनगर-कालीन सेनानायकों को नायक कहा जाता था। कुछ इतिकासकारों के अनुसार 'नायक' भू-सामन्त थे व सैन्य प्रमुख (मिलिट्री चीफ) थे, जिन्हें राजा वेतन के बदले या उनकी अधीनस्थ सेना के रख-रखाव के लिए विशेष भू-खण्ड प्रदान करता था जिसे अमरम या नायकट्टनम कहा जाता था।

96. Which poet was given the title of Malik us Shuara?
'मलिक उस शुआरा' की उपाधि किस कवि को दी गई?

(a) Shaikh Abdul Faizi / शेख अब्दुल फैजी
(b) Bab Qigani / बाबा किगानी
(c) Urfi /उर्फी
(d) Darashikoh / दाराशिकोह

Ans. (a) : मलिक उस शुआरा (कविराज) की उपाधि शेख अब्दुल फैजी को दी गई।

विशेष तथ्य

1. शेख अब्दुल फैजी ही अकबर का वह नवरत्न था जो कि कवि से दार्शनिक बन गया और अपना नाम फैयाजी कर लिया था। 'नल व दमन' में इस परिवर्तन का कारण दैविक प्रेरणा बताता है। अकबर ने फैजी को राजकवि का पद एवं अनुवाद विभाग तथा आगरा पुस्तकालय का अध्यक्ष बनाया था। 1595 ई. में शेख अब्दुल फैजी की मृत्यु हो गयी।
2. दाराशिकोह को संस्कृत-ए-कलन्दर, शाहबुलन्द इकबाल की उपाधि दी गयी थी।

97. What was Qufi in Sultanae period?
सल्तनत काल में कूफी क्या था?

(a) Portrait / व्यक्ति चित्र
(b) Quaranic calligraphy / कुरान संबंधित सुलेख
(c) Muscial instrument / संगीत वाद्ययंत्र
(d) Dome / गुम्बद

Ans. (b) : कूफी/ कुरान संबंधित सुलेख – इस्लामी स्थापत्य में साज सज्जा की कला में सुलेखन का एक महत्वपूर्ण स्थान था। कुरान की आयतें (विषय-वस्तु) भवनों पर सीधी-सौम्य भाषा के रूप में उत्कीर्ण यह लिपि 'कूफी' कहलाती है। ये लेखन भवनों के किसी भी भाग में जैसे- दरवाजे, छत, चौखट, ताख आदि में पाया जा सकता है और विविध प्रकार के रूपों जैसे – पत्थर, गचकारी और चित्रकला में देखा जा सकता है।

98. Who is the author of the book 'The Technique of Mughal Painting?
'द टैक्नीक ऑफ मुगल पेंटिंग' के लेखक कौन है?

(a) Ashok Kumar Das / अशोक कुमार दास
(b) Percy Brown / पर्सी ब्राउन
(c) Moti Chandra / मोती चन्द्र
(d) Catherine Asher / कैथरीन अशर

Ans. (c) :

लेखक	पुस्तक
(1) मोती चन्द्र	द टैक्नीक ऑफ मुगल पेन्टिंग
(2) पर्सी ब्राउन	इण्डियन आर्किटेक्चर (द इस्लामिक पीरियड)
(3) अशोक कुमार दास	रज्मनामा : द बुक ऑफ वार
(4) कैथरीन अशर	देल्ही कुतुब कम्पलेक्स : द मिनार, मॉस्क एंड मेहरौली, आर्किटेक्चर ऑफ मुगल इंडिया

99. Who started Hola Mohalla?
होला मुहल्ला किसने प्रारंभ किया?

(a) Guru Arjan Dev / गुरु अर्जन देव
(b) Guru Hargovind / गुरु हरगोविन्द
(c) Guru Harkishan / गुरु हरकिशन
(d) Guru Govindsingh / गुरु गोविन्द सिंह

Ans. (d) : होला मोहल्ला उत्सव 1701 ई. से मनाया जा रहा है,जो 10वें सिख गुरु गोविन्द सिंह द्वारा शुरू किया गया था। इस उत्सव को होली के विपरीत, होला एक मर्दाना नाम दिया गया और यह उत्सव हिन्दू होली के अगले दिन मनाया जाता है। रंगों की जगह इस उत्सव में भाग लेने वाले लोग अलग-अलग लड़ाइयों में हिस्सा लेकर अपनी ताकत और प्रदर्शन करते है। तीन दिनों तक मनाए जाने वाले इस पर्व में अलग-अलग प्रकार की लड़ाइयाँ प्रदर्शनियां और हथियारों की प्रदर्शनी आयोजित की जाती है जिसके बाद कीर्तन, गीत और कविताओं की प्रतियोगिता भी होती है। पूरे भारत में यह एक ऐसा स्थान है, जहां सबसे अलग तरह से होली मनाई जाती है।

100. Which pair is incorrect ?
कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(a) Ramanujacharya-Vishishtadvaitavad
रामानुजाचार्य-विशिष्टाद्वैतवाद
(b) Madhvachrya-Dvaitaved / माधवाचार्य-द्वैतवाद
(c) Vishnuswami - Shudhadvaitvad
विष्णुस्वामी- शुद्धाद्वैतवाद
(d) Nimbarkacharya-Advautavad
निम्बार्काचार्य-अद्वैतवाद

Ans. (d) :

प्रमुख भाष्यकार	मत
(1) रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद
(2) माधवाचार्य	द्वैतवाद
(3) विष्णुस्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
(4) निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
(5) शंकराचार्य	अद्वैतवाद

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2016
मध्यकालीन इतिहास

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र **परीक्षा तिथि : 21/01/2019**

1. 'फ्यूडल सोसाईटी' नामक पुस्तक का लेखक कौन था?
(a) हेनरी पिरेन (b) मार्क ब्लॉक
(c) कार्ल मार्क्स (d) फर्डीनेन्ड ब्रौदल

Ans : (b) मार्क ब्लॉक बीसवीं शताब्दी के प्रमुख फ्रांसीसी मध्यकालीन लेखक थे उन्होंने अपने शिक्षण और लेखन के माध्यम से इतिहासकारों की दो पीढ़ियों को प्रेरित किया। प्रथम विश्वयुद्ध के समय उन्होंने पैदल सेना में सेवा की, चार प्रशंसा पत्र और 'लीजन ऑफ ऑनर' जीते। 1920 में इन्होनें अपनी थीसिस 'किंग्स और सर्फ्स' को प्रकाशित किया। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'फ्यूडल सोसाईटी (सामंती समाज) में आर्थिक संरचनाओं और विश्वास की प्रणालियों के साथ-साथ कानूनी मानदंडो और संस्थागत प्रथाओं में स्वतंत्रता और सेवाओं का वर्णन किया है। 1939 में उन्होंने अपने जीवनकाल में व्यतीत किए गए युद्धों का संस्मरण 'द स्ट्रेंजरहार (1946) में लिखा है। ये 'एनलस स्कूल ऑफ फ्रेंच सोशल हिस्ट्री' के संस्थापक सदस्य भी थे।

2. यूरोपीय सामन्तरवाद में, बहुसंख्यक थे :
(a) मैनर (b) सामन्त
(c) अधीन कृषक (d) व्यापारी

Ans : (c) रोमन साम्राज्य के विघटन के पश्चात् यूरोप में एक नवीन शासन व्यवस्था का उदय हुआ, जिसे यूरोपीय इतिहास में सामंतवाद नाम से परिभाषित किया गया है। इसकी उत्पत्ति एक लैटिन शब्द 'फ्यूडम' से हुयी। इस व्यवस्था के दो प्रमुख अंग हुए – एक सामन्त वर्ग व दूसरा – अधीन कृषक। इस व्यवस्था के तहत शासक भूमि पर कृषि कार्य हेतु सरदारों को भूमि सौंप देते थे। जो अधीन कृषकों के माध्यम से कृषि कार्य करते थे। कृषक सामन्तों के अधीन दास अवस्था में रहते थे। कृषि दास अर्थात् अधीन कृषक ऐसा खेतिहर था जो अपने मालिक की अनुमति के बगैर किसी दूसरे स्थान पर बस भी नहीं सकता था। निश्चित तौर पर इस सामन्त व्यवस्था में अधीन कृषकों के कई बड़े-2 समूह शामिल थे अर्थात् अधीन कृषक इस व्यवस्था में बहुसंख्यक थे।

3. हिटलर सत्ता में कैसे आया ?
(a) विद्रोह से
(b) षडयंत्र द्वारा
(c) युद्ध - विजय के परिणामस्वरूप
(d) चुनाव से

Ans : (d) विश्व में सबसे क्रूर तानाशाह के रूप में प्रसिद्ध एडोल्फ हिटलर का जन्म 1889 में आस्ट्रिया में हुआ था। वह एक उच्चकोटि का राष्ट्रवादी भी था। इसी के चलते उसने प्रथम विश्व युद्ध में जमीन सेना में भर्ती होकर सम्मान अर्जित किया। 1918 में जर्मनी की पराजय के पश्चात् उसने सेना छोड़ दी तथा नेशनल सोशलिस्टिक आर्बोटर पार्टी (नाजी) का गठन किया। उसका स्पष्ट विचार था कि साम्यवादियों व यहूदियों के कारण जर्मनी हारा। उसने 1919 में हुयी वियना संधि को भी अपमानजनक माना। 1923 में उसे जेल हो गयी परंतु जल्द ही वह रिहा होकर पुनः राजनीति में लग गया। उस समय विश्व आर्थिक मंदी के दौर में था। उसने जनता के असंतोष का लाभ उठाकर व्यापक लोकप्रियता हासिल की तथा 1933 मेंं हुये चुनाव में जीतकर जर्मनी का चांसलर बन गया। उसकी कट्टर राष्ट्रवादी विचारधारा के कारण 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध हुआ। अंततः अप्रैल 1945 ई. में उसने आत्महत्या कर ली। उसने अपने संघर्ष व विचारों के बारे में अपनी पुस्तक ''मीन कैम्फ'' (मेरा संघर्ष) में उद्धत किया है।

4. 'संसदीय लोकतंत्र' के उद्‌भव का श्रेय किस यूरोपीय देश को दिया जाता है?
(a) फ्रान्स (b) इंग्लैण्ड
(c) संयुक्त राज्य अमरीका (d) जर्मनी

Ans : (b) यूनाइटेड किंगडम एक संवैधानिक राजशाही और एकात्मक राज्य है इसमें चार देश शामिल है : इग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, स्काटलैंड और सेल्स। इसी यूरोपीय देश को 'संसदीय लोकतंत्र' के उद्‌भव का श्रेय दिया जाता है। सकल घरेलू उत्पाद द्वारा दुनिया की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था और क्रय शक्ति समानता के आधार पर सातवॉं बड़ा देश होने के साथ ही यह एक विकसित देश है। इसी देश द्वारा उद्‌भित संसदीय लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वह है जिसमें कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैधता विधायिकता (संसद) से प्राप्त करती हैं तथा विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है। यही संसदीय प्रणाली भारत में भी लागू है।

5. 'वैज्ञानिक समाजवाद' किससे सम्बद्ध किया जाता है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) चार्ल्स फोरियर
(c) रॉबर्ट ओवन (d) लुई ब्लांक

Ans : (a) कार्ल मार्क्स जर्मन दार्शनिक, अर्थशास्त्री, इतिहासकार, राजनीतिक सिद्धांतकार, समाजशास्त्री, पत्रकार और वैज्ञानिक समाजवाद के प्रणेता थे। मार्क्स ने आधुनिक मजदूर वर्ग को वह क्रान्तिकारी ताकत बताया, जो समाज को पूँजीवाद से कम्यूनिज्म तक ले जाने में अगुवाई देने को इच्छुक है और इसके काबिल भी है। उन्होनें कहा कि सभी वर्गो और तबको में मजदूर वर्ग ही वर्ग है जो पूँजी के बढ़ने और संकेन्द्रित होने के साथ-साथ खुद बढ़ता और शक्तिशाली होता है। किसान और दूसरे छोटे उत्पादक समय के साथ-साथ विघटित होते रहते हैं, कुछ पूंजीपति बन जाते है और अधिकतम अपनी संपत्ति को खोकर वेतन भोगी मजदूर बन जाते हैं।

6. निम्नलिखित में से किस सम्मेलन से हम 'शक्ति संतुलन' का सिद्धान्त सम्बद्ध करते हैं?
(a) बर्लिन का सम्मेलन (b) ट्रपाऊ का सम्मेलन
(c) वियना का सम्मेलन (d) वसयि का सम्मेलन

Ans : (c) सन् 1815 ई. में नेपोलियन की पराजय के पश्चात् यूरोपीय शक्तियों द्वारा शक्ति संतुलन के सिद्धान्त को वियना सम्मेलन में मान्यता दी गयी। इसमें सबसे प्रमुख भूमिका आस्ट्रिया के विदेश मंत्री मेटरनिख ने निभायी। 1815 के बियना कांग्रेस द्वारा निर्धारित की गयीं यूरोपीय देशों की सीमायें यूरोपीय संगीत या यूरोपीय

व्यवस्था से तात्पर्य सन् 1815 के वियना कांग्रेस के बाद की व्यवस्था से है, जो शक्ति संतुलन का प्रतिनिधित्व करती थी। यह व्यवस्था यूरोप में 1815 ई. से 1914 ई. में प्रथम विश्व युद्ध के आरम्भ तक विद्यमान रहीं।

7. निम्नलिखित महाद्वीपों में से कौन एक 'शीत युद्ध' के केन्द्र में था?

(a) यूरोप (b) एशिया

(c) उत्तरी अमरीका (d) अफ्रीका

Ans : (a) द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत रूस के बीच उत्पन्न तनाव की स्थिति को शीत युद्ध के नाम से जाना जाता है। रूस के नेतृत्व में साम्यवादी और अमेरिका के नेतृत्व में पूँजीवादी देश दो खेमों में बंट गए। इन दोनों पक्षों में आपसी टकराहट आमने सामने कभी नहीं हुई पर ये दोनों गुट इस प्रकार का वातावरण बनाते रहे कि युद्ध का खतरा सदा सामने दिखाई पड़ता रहता था। इस युद्ध का उद्देश्य अपने-अपने गुटों में मित्र राष्ट्रों को शामिल करके अपनी स्थिति मजबूत बनाना था ताकि भविष्य में प्रत्येक अपने-अपने विरोधी गुट की चालों को आसानी से काट सकें। इस युद्ध को दो महाशक्तियों के मध्य एक वाक युद्ध माना जाता था जो कागज के गोलों, पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो तथा प्रचार साधनों तक ही लड़ा गया। अन्ततः 1991 में सोवियत रूस के विघटन से उसकी शक्ति कम हो गयी और शीतयुद्ध की समाप्ति हो गयी।

8. निम्नलिखित में से किसने कहा था, ''इतिहास विज्ञान है, न कम, न अधिक''?

(a) हेरोडोटस (b) कार्ल मार्क्स

(c) लौर्ड एक्टन (d) जे. बी. ब्यूरी

Ans : (d) हिस्ट्री शब्द की उत्पत्ति 'हिस्टोरिया' से हुयी है जिसका सामान्य अर्थ है– 'खोजना या जानना'। इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ग्रीक लेखक हेरोडोटस ने किया था इसीलिये उसे 'इतिहास का पिता' कहा जाता है। इतिहास के स्वरूप अथवा प्रकृति के संबंध में सर्वप्रथम प्रो. जे.बी. ब्यूरी ने 1903 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में अपने विचार प्रस्तुत किये, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से इस मत का प्रतिपादन किया कि ''इतिहास एक विज्ञान है, न कम, न अधिक''। इस मत के जरिये उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इतिहासकारों का कर्तव्य है कि वह अतीत के सभी पक्षों को समाज के सामने प्रस्तुत करे।

9. दिल्ली के किस सुल्तान ने सर्वाधिक मंगोल आक्रमणों का सामना किया था?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन

(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मोहम्मद बिन तुगलक

Ans : (c) सर्वाधिक मंगोल आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के समय (कुल 6) हुए। उसके समय पहला मंगोल आक्रमण कादर खां के नेतृत्व (1298 ई.) में हुआ।

10. निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सुमेलित है?

(a) इबन बतूता : किताबुल रेहला

(b) जियाउद्दीन बरनी : तबकाते नासिरी

(c) अबुल फजल : मुन्तखाब-उत-तवारीख

(d) दारा शिकोह : शाहजहाँ नामा

Ans : (a) इब्नबतूता ने किताबुल रेहला लिखा जो कि सुमेलित है। मिनहाज ने तबकाते नासिरी, बदायूँनी ने मुन्तखाब-उत-तवारीख और इनायत खाँ ने शाहजहाँ नामा लिखा।

11. दिल्ली के किस सुल्तान ने चाँदी का 'टंका' तथा ताँबे का 'जीतल' मौलिक सिक्कों के रूप में प्रचलित किया था?

(a) इल्तुतमिश (b) अलाउद्दीन खिलजी

(c) मोहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज शाह तुगलक

Ans : (a) इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का पहला वास्तविक सुल्तान माना जाता है जिसने सुल्तान पद की स्वीकृति किसी गोर के शासक से नहीं बल्कि खलीफा से प्राप्त की थी। यह 'इल्बरी जन जातीय' तुर्क था। इसने सर्वप्रथम लाहौर की जगह दिल्ली को राजधानी बनाया। इसने शुद्ध अरबी पद्धति पर आधारित दिल्ली सल्तनत के दो प्रमुख सिक्को 'चाँदी का टंका' और ताँबे का 'जीतल' को प्रचलित करवाया तथा सिक्कों पर 'टकसाल का नाम' लिखवाने की परम्परा शुरू की। इसने अपने सिक्कों पर हिन्दुओं के प्रचलित प्रतीक जैसे शिव के नंदी और चौहान घुड़सवार को अंकित करवाया।

12. कृषकों के कल्याण के लिए किस मध्यकालीन भारतीय शासक ने ''पट्टा'' एवं ''कबूलियत'' की व्यवस्था प्रारम्भ की थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मोहम्मद बिन तुगलक

(c) सिकन्दर लोदी (d) शेरशाह

Ans : (d) शेरखान (शेरशाह सूरी) दिल्ली पर राज्य करने वाले 'द्वितीय अफगान वंश' का संस्थापक था। (प्रथम अफगान वंश लोदी वंश को माना जाता है।) इसके बचपन का नाम फरीद था। शेरशाह ने मुगलों से उत्तरी पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए 'रोहतासगढ़ किले' का निर्माण करवाया। शेरशाह के प्रशासनिक सुधार दूरगामी परिणाम वाले सिद्ध हुए। इनके शासन प्रबंध की जानकारी अब्बास खाँ सरवानी की पुस्तक 'तारीख-ए-शेरशाही' से मिलती है। शेरशाह ने सरकार तथा कृषकों के मध्य प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से ''पट्टा'' एवं ''कबूलियत'' की व्यवस्था प्रारंभ की। इसने भूमि कर निर्धारण के लिए 'राई प्रणाली' का प्रचलन करवाया। इनके समय में लगान निर्धारण हेतु तीन प्रणालियाँ प्रचलित थी–

(i) गल्ला बख्शी अथवा बँटाई (ii) नस्क या मुक्ताई या कनकूत

(iii) नकद या जब्ती।

13. निम्नलिखित में से 'पुष्टि मार्ग' की स्थापना किसने की थी?

(a) चैतन्य (b) वल्लभाचार्य

(c) रामानन्द (d) निम्बार्क

Ans : (b) वल्लभाचार्य भक्तिकालीन सगुणधारा की कृष्णभक्ति शाखा के आधार स्तंभ एवं 'पुष्टिमार्ग' के प्रणेता माने जाते हैं। इन्हें ''वैश्वानरावतार, अग्नि का अवतार' कहा गया है। ये वेदशास्त्र में पारंगत थे। रामानुज, निम्बार्क, मध्वाचार्य और वल्लभाचार्य ने ज्ञान के स्थान पर भक्ति को अधिक प्रश्रय देकर वेदान्त को जनसामान्य की पहुँच के योग्य बनाने का प्रयास किया। ये वैष्णव धर्म के अतिरिक्त जैन, बौद्ध, शैव, शाक्त आदि धर्म-संप्रदायों के अद्वितीय विद्वान थे।

14. किस मुगलकालीन अधिकारी को लेखा परीक्षा ('आडिटर-जनरल') कहा जाता था?

(a) मुशरिफे-ए-मुमालिक (b) मीर सामाँ

(c) वकीले मुत्लक (d) मुस्तौफ-ए-मुमालिक

Ans : (d) दिल्ली सल्तनत के प्रशासन को उचित ढंग से चलाने के लिए भिन्न-भिन्न विभागों की स्थापना तथा उनके प्रमुखों की भी नियुक्ति की गई जैसे– आरिज-ए-ममालिक (सैन्य विभाग का प्रमुख), वरीद-ए–खास (शाही पत्र व्यवहार का प्रमुख), सद्र–उस सूदूर (धर्म व दान विभाग का प्रमुख), वरीद–ए–मुमालिक (गुप्तचर विभाग का प्रमुख) मुशरिफ-ए–मुमालिख (महालेखाकार), मुस्तौफी-ए-मुमालिक (महालेखा परीक्षक) काजी-उल-कजात (न्याय का सर्वोच्च अधिकारी) प्रमुख है।

15. पच्चीकारी या 'पिट्राड्यूरा', जो स्थापत्यकला का एक चरित्रिक विशिष्ट लक्षण है, वह भारत में सर्वप्रथम प्रयुक्त हुआ था।
(a) बाबर के शासन-काल में
(b) हुमायूँ के शासन-काल में
(c) अकबर के शासन-काल में
(d) जहाँगीर के शासन-काल में

Ans : (d) जहाँगीर ने वास्तुकला की अपेक्षा चित्रकला को अधिक प्रश्रय दिया। फलस्वरूप उसके समय में बहुत ही कम इमारतों का निर्माण हुआ। जहाँगीर के समय की सबसे महत्वपूर्ण इमारत-आगरा में बना 'ऐतमादुद्दौला का मकबरा' है।
यह चतुर्भुजाकार मकबरा बेदाग सफेद संगमरमर का बना ऐसा पहला मकबरा है जिसमें बड़े पैमाने पर संगमरमर भवनों में पहली बार- 'पित्राड्यूरा' का प्रयोग मिलता है। यद्यपि इस प्रणाली (पित्राड्यूरा) का प्रयोग इससे पूर्व ही उदयपुर (राजस्थान) के 'गोलमण्डल' में 1600 ई. में किया जा चुका था।

16. मंसूर, प्रसिद्ध दरबारी चित्रकार था, मुगल बादशाह
(a) हुमायूँ का (b) अकबर का
(c) जहाँगीर का (d) शाहजहाँ का

Ans : (c) जहाँगीर कालीन प्रमुख चित्रकार फारूख बेग, विसनदास उस्ताद मंसूर, अबुल हसन, दौलत और मनोहर थे। जिसमें से बादशाह ने उस्ताद मंसूर को नादिर–उस-अश्र तथा अबुल हसन को नादिर–उद्–जमा की उपाधि दिया था। उस्ताद मंसूर दुर्लभ पशुओं पक्षियों और अनोखे पुष्पों के अनेक चित्र बनाए। उनकी महत्वपूर्ण कृतियों में–साइबेरिया का एक बिरला-सारस तथा बंगाल का एक अनोखा पुष्प विशेष रूप से उल्लेखनीय है। अबुल हसन को व्यक्ति चित्रों में महारथ हासिल था। इसने 'तुजुके–जहाँगीरी' के मुख-पृष्ठ के लिए चित्र बनाया तथा ड्यूटर के संत जॉन पाल के तस्वीर की एक नकल बनाई थी।

17. 1945 के शिमला सम्मेलन में कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया गया था।
(a) मौलाना आजाद द्वारा (b) जवाहर लाल नेहरु द्वारा
(c) वल्लभ भाई पटेल द्वारा (d) सर तेज बहादुर सप्रू द्वारा

Ans : (a) वेवेल प्रस्ताव पर विचार–विमर्श हेतु शिमला में 25 जून, 1945 को शिमला सम्मेलन हुआ था। यह शिमला में होने वाला एक सर्वदलीय सम्मेलन था। इस सम्मेलन में कांग्रेस के प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व 'अबुल कलाम आजाद' ने किया था। इस सम्मेलन के दौरान 'मुस्लिम लीग' द्वारा यह शर्त रखी गयी कि वायसराय की कार्यकारिणी परिषद में नियुक्त होने वाले सभी मुस्लिम सदस्यों का चयन वह स्वयं करेगी। मुस्लिम लीग का यही अड़ियल रूप 25 जून से 14 जुलाई तक चलने वाले 'शिमला सम्मेलन' की असफलता का प्रमुख कारण बना। अबुल कलाम आजाद ने शिमला सम्मेलन की असफलता को भारत के राजनीतिक इतिहास में एक 'जलविभाजक' (Water Shed) की संज्ञा दी।

18. गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन 1961 में सम्पन्न हुआ था।
(a) वियना में (b) कायरों में
(c) बेलग्रेड में (d) डरबन में

Ans : (c) गुट निरपेक्ष राष्ट्रों की एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है। यह आंदोलन विकसित देशों के हितों की तुलना में तृतीय विश्व के देशों की सामूहिक राजनीतिक और आर्थिक चिन्ताओं की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच का कार्य करता है। गुट निरपेक्ष आन्दोलन भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर एवं युगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप ब्रौज टीटो द्वारा शुरू किया गया था। इसकी स्थापना अप्रैल, 1961 में हुई थी। इस गुट निरपेक्ष का प्रथम सम्मेलन बेलग्रड (युगोस्लाविया) में हुआ था।

19. वर्ष 1739 में मराठों ने सालसेट एवं बेसिन पर कब्जा किया था।
(a) डच से (b) अंग्रेज से
(c) फ्रान्सीसियों से (d) पुर्तगलियों से

Ans : (d) सालसेट भारत के पश्चिमी तट पर मुम्बई के निकट स्थित एक द्वीप हैं। यह केन्या के मिजिंगो द्वीप, हांगकांग और मालद्वीप के माले द्वीप के बाद विश्व का 7वाँ सबसे घनी बस्ती वाला और 13वाँ सर्वाधिक जनसंख्या वाला द्वीप बन गया है। 1737 में सालसेट पर मराठों द्वारा कब्जा कर लिया गया और उत्तरी पुर्तगाली प्रांत के अधिकांश भाग को भी 1739 में मराठों ने ले लिया। ब्रिटिश लोगों ने सालसेट पर 1774 में पुनः कब्जा कर लिया जो सालबाई की संधि (1782) के तहत औपचारिक रूप से ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिया गया।

20. दो भक्ति-काल का संत जिनके पास विभिन्न जातियों के बारह (12) शिष्य थे, वे ।
(a) रामानन्द थे (b) सूरदास थे
(c) कबीर थे (d) वल्लभाचार्य थे

Ans : (a) भक्ति आंदोलन को दक्षिण से उत्तर में लाने का श्रेय रामानन्द को है। इनका जन्म इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ था। रामानन्द रामानुज के मतावलम्बी राघवानंद के शिष्य थे। इनका दृष्टिकोण उदार था और इन्होंने सभी जातियों, धर्मों, यहाँ तक कि मुसलमानों को भी अपना शिष्य बनाया। वे पहले उपदेशक थे जिन्होंने हिन्दी का प्रयोग किया इनकी दो महिला शिष्य थीं– पद्मावती तथा सुरसरी। रामानन्द के 12 शिष्यों में जाट धन्ना, नाई सेना, मोची रैदास, जुलाहा कबीर एवं पीपा राजपूत प्रमुख थे।

21. किस बहमनी सुल्तान ने अपनी राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित की थी?
(a) ताजुद्दीन फिरोज़ (b) अहमद शाह II
(c) अलाउद्दीन हसन (d) अहमद शाह I

Ans : (d) मुहम्मद बिन तुगलक के समय बहमन शाह द्वारा स्थापित राजवंश को बहमनी राजवंश कहा गया। बहमनी साम्राज्य की सीमाएँ उत्तर में बरार से दक्षिण में कृष्णा नदी तक फैली थी। इस राजवंश में कुल 18 सुल्तान हुए जिन्होंने 1347 से 1527 ई. तक कुल 180 वर्ष तक शासन किया। इसी वंश के प्रमुख शासक अहमद शाह प्रथम (1422–1444ई.) थे। इन्होने अपनी राजधानी 1424 ई. में गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित किया। जिसे मुहम्मदाबाद का नया नाम दिया गया।

22. निम्नलिखित में से किस दिल्ली के सुल्तान ने मद्य-निषेध लागू करने का असफल प्रयास किया था?
(a) बलबल ने (b) अलाउद्दीन खिलजी ने
(c) मोहम्मद बिन तुगलक ने (d) फिरोज शाह तुगलक ने

Ans : (b) अलाउद्दीन खिलजी खिलजी वंश का प्रमुख शासक माना जाता है। अलाउद्दीन के राज्यारोहण के साथ ही 'सल्तनत के साम्राज्यवादी युग' का प्रारम्भ हुआ। अलाउद्दीन ने अपने विशाल साम्राज्य के रख रखाव एवं शासन तंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक सुधार किए। इन्होंने अपने साम्राज्य में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। अपने अधिकारियों को जनता के बीच मद्य निषेध की घोषणा करवायी। सुल्तान ने स्वयं भी शराब पीना छोड़ दिया था। परन्तु उनके द्वारा लागू किया गया मद्य निषेध कानून पूरी तरह असफल रहा।

23. 1791 ई. में वाराणसी में किसने 'संस्कृत कालेज' प्रारम्भ किया था?
(a) डेविड हारे (b) वारेन हेस्टिंग्ज़
(c) जोनाथन डंकन (d) विलियम जोंस

Ans : (c) लार्ड कार्नवालिस द्वारा जोनाथन डंकन को 1788 में बनारस में अधीक्षक नियुक्त किया। 1791 में उन्होंने हिन्दू लॉ और दर्शनशास्त्र के अध्ययन के लिए बनारस में 'संस्कृत कॉलेज' शुरू किया। आगे चलकर यही संस्कृत कॉलेज एक विश्वविद्यालय बन गया और 1974 में इसका नाम बदलकर सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय कर दिया गया।

24. निम्नलिखित में से किसने कहा था, ''रैय्यतवाड़ी एक ऐसी प्रथा है जो भारत में हमेशा से प्रचलित रही है।''
(a) जौन शोर (b) डफ़
(c) रीड (d) मुनरो

Ans : (d) अंग्रेजों द्वारा भू-राजस्व के लिए स्थायी भूमि बंदोबस्त, रैय्यतवाड़ी व्यवस्था व महालवारी व्यवस्था लागू किया गया। रैय्यतवाडी व्यवस्था के जन्मदाता थॉमस मुनरो और कैप्टन रीड को माना जाता है। यह व्यवस्था मद्रास, बम्बई के कुछ हिस्से, पूर्वी बंगाल, असम में लागू थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत लगान की वसूली कठोरता से की जाती थी तथा लगान की दर भी काफी ऊँची थी जिसका परिणाम यह हुआ कि कृषक महाजनों के चंगुल में फंसता गया जो कालांतर में महाजन और किसानों के मध्य संघर्ष का कारण बना इसीलिए मुनरो ने कहा था ''रैय्यतवाड़ी एक ऐसी प्रथा है जो भारत में हमेशा से प्रचलित रही है।''

25. किस वर्ष में कलकत्ता से आगरा के मध्य प्रथम 'टेलीग्राफ़ लाईन' प्रारम्भ की गई थी?
(a) 1853 (b) 1855
(c) 1856 (d) 1857

Ans : (a) लार्ड डलहौजी 1848 ई. में भारत के गवर्नर जनरल बनकर आए। उनका शासनकाल बहुत चर्तित रहा क्योंकि उन्होंने युद्ध व व्यपगत सिद्धान्त (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स) के आधार पर अंग्रेज साम्राज्य का विस्तार करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुधारात्मक कार्यों को समपन्न किया। इन्हीं के द्वारा ब्रिटिश रेजिडेंट जेम्स आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर अवध का विलय (1856) किया गया, 1853 में बम्बई एवं थाणे के मध्य प्रथम रेल का परिचालन, 1853 में ही कलकत्ता से आगरा के मध्य प्रथम 'टेलीग्राफ लाईन' प्रारंभ किया गया था। इन्हीं के काल में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा लोक शिक्षा विभाग (1854) की स्थापना की गई।

26. किस अधिकार पत्र अधिनियम (चार्टर एक्ट) के द्वारा ईस्ट इण्डिया कंपनी का चीन के साथ व्यापार एवं चाय-व्यापार पर एकाधिकार बना रहा था?
(a) 1793 का चार्टर एक्ट (b) 1813 का चार्टर एक्ट
(c) 1833 का चार्टर एक्ट (d) 1853 का चार्टर एक्ट

Ans : (b) 1813 के चार्टर एक्ट के द्वारा कम्पनी के भारतीय व्यापार के एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया यद्यपि उसका चीन तथा चाय के व्यापार का एकाधिकार बना रहा। इस एक्ट के तहत एक लाख रुपया प्रतिवर्ष विद्वान भारतीयों के प्रोत्साहन तथा साहित्य के सुधार तथा पुनरूत्थान के लिए रखा गया। ईसाई मिशनरियों को भारत में धर्म प्रचार हेतु अनुमति मिली। इस एक्ट के द्वारा कंपनी का भारतीय प्रदेशों तथा राजस्व पर नियंत्रण का अधिकार 20 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया।

27. भारत में 'सती प्रथा' को समाप्त कराने में किसकी प्रमुख भूमिका थी?
(a) स्वामी विवेकानन्द (b) स्वामी सहजानन्द
(c) राजा राममोहन रॉय (d) लॉर्ड विलियन बेंटिक

Ans : (c) राजाराममोहन राय प्रथम भारतीय थे जिन्होंने सबसे पहले भारतीय समाज में व्याप्त मध्ययुगीन बुराइयों के विरोध में आंदोलन चलाया। इनके नवीन विचारों के कारण ही 19वीं शताब्दी के भारत में पुनर्जागरण का जन्म हुआ। इन्हें आधुनिक भारत के पिता, भारतीय राष्ट्रवाद का जनक का सम्मान प्राप्त है। इन्होंने 1829 में भारत के गवर्नर–जनरल बैंटिक द्वारा सती प्रथा को प्रतिबंधित करने के लिए लाये गए कानूने को लागू करवाने में सरकार की मदद की। इन्होंने मूर्तिपूजा, बाल विवाह, वेश्यागमन, जातिवाद आदि प्रथाओं का भी विरोध किया था। आयोग ने अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर C व D दोनों दिया है।

28. निम्नलिखित में से 'गदर पार्टी' का नेता कौन था?
(a) सरदार भगत सिंह (b) लाला हरदयाल
(c) वी.डी. सावरकर (d) बी.जी. तिलक

Ans : (b) गदर पार्टी की स्थापना 25 जून, 1913 ई. में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में किया गया। इसके संस्थापकों में सोहन सिंह भाकना और लाला हरदयाल (महामंत्री) थे। इस पार्टी की स्थापना का उद्देश्य पराधीन भारत को अंग्रेजो से स्वतंत्र कराने का था। इसे प्रशांत तट का हिन्दी संघ भी कहा जाता था। इस पार्टी ने 'गदर' नाम का पत्र भी निकाला जो उर्दू और पंजाबी में छपता था। इसने एक 'युगांतर आश्रम' नाम से एक संस्था भी स्थापित की जिसका कार्य युवा भारतीयों में देशभक्ति की भावना फैलाना है और उन्हें विद्रोह के लिए प्रशिक्षित करना है।

29. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) के संस्थापक कौन थे?
(a) श्यामा प्रसाद मुखर्जी
(b) दीनदयाल उपाध्याय
(c) बलिराम केशवराव हेडगेवर
(d) अटल बिहारी वाजपेयी

Ans : (c) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितम्बर 1925 को विजयादशमी के दिन की गई। इसके संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार थे। इसका मुख्यालय नागपुर, महाराष्ट्र में स्थित है। यह भारत का एक हिन्दू राष्ट्रवादी, अर्द्धसैनिक, स्वयं सेवी संगठन है जो व्यापक रूप से भारत के सत्तारूढ़ दल 'भारतीय जनता

पार्टी का पैतृक संगठन माना जाता है।' इसके प्रमुख को सरसंघचालक कहा जाता है। वर्तमान में सरसंघचालक डॉ. मोहनराव मधुकरराव भागवत जी है।

30. कौन अपने उपनाम 'लोकहितवादी' से प्रसिद्ध हुआ था?

(a) गोपाल हरि देशमुख (b) गोपाल कृष्ण गोखले
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) दादाभाई नौरोजी

Ans : (a) गोपाल हरि देशमुख महाराष्ट्र के एक प्रख्यात समाज सुधारक थे। इन्हें 'लोकहितवादी' उपनाम से भी जाना जाता है। उन्होंने धर्म निरपेक्षता, बौद्धिकता व आधुनिकता के आधार पर हिन्दू धर्मावलम्बियों पर आक्रमण किया तथा सामाजिक व धार्मिक समानता का समर्थन किया। उन्होंने एक मासिक मराठी पत्रिका 'लोकहितवादी का सम्पादन किया।' उन्होंने विधवा विवाह को प्रोत्साहन देने हेतु अहमदाबाद में पुनर्विवाह मण्डल की स्थापना की।

31. भारतीय प्रेस को 1835 में प्रतिबंध से मुक्त किया था–

(a) लार्ड मैकाले ने
(b) लॉर्ड हार्डिन्ज ने
(c) लॉर्ड चार्ल्स मेटकाफ़ ने
(d) लॉर्ड विलियम बैंटिक ने

Ans : (c) लॉर्ड वेलेजली द्वारा 1799 ई. में पत्रों का 'पत्रेक्षण अधिनियम और जॉन एडम्स द्वारा 1823 ई. में समाचार पत्रों पर लगाए गए प्रतिबंधो के कारण राजाराममोहन राय का मिरातुल अखबार बंद हो गया। 1830ई. में राजा राममोहन राय, द्वारकानाथ टैगोर के प्रयासों से बंगाली भाषा में 'बंगदूत' का प्रकाशन आरम्भ हुआ। लार्ड विलियम बैंटिक प्रथम गवर्नर-जनरल था जिसने प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति उदारवादी दृष्टिकोण अपनाया। अंततः चार्ल्स मेटकॉफ (1835-36) के भारत के गवर्नर जनरल बनने पर 1835 में 'प्रेस एक्ट' पारित हुआ जिसके द्वारा समाचार पत्रों पर लगाई गयी पाबंदी हटा ली गयी। इसीलिए चार्ल्स मैटकॉफ को 'समाचार पत्रों के मुक्तिदाता' के रूप में भी जाना जाता है।

32. कोवासजी नानाभाई ने 1853 में सर्वप्रथम वस्त्रोद्योग (टेक्सटाईल मिल) लगाई थी–

(a) कलकत्ता में (b) सूरत में
(c) ढ़ाका में (d) बॉम्बे में

Ans : (d) ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के तृतीय चरण में भारतीयों द्वारा कुछ भारतीय उद्योगों में पूँजी लगाई गई। भारतीय उद्योगों में सूतीवस्त्र पहला उद्योग था जिसमें भारतीयों द्वारा पूँजी लगाई गई। सूती वस्त्र की प्रथम मिल 1853 में बम्बई में पारसी कावसजी नाना भाई के प्रयासों से स्थापित हुई। 1904-05 तक भारत में कुल करीब 266 कपड़ा मिलें स्थापित हो गई। बंगाल के सिरसा नामक स्थान पर भारत की पहली जूट मिल की स्थापना 1855 में हुई।

33. प्रथम अखिल भारतीय किसान संगठन, 'आल इंडिया किसान सभा' 1936 में जिसके नेतृत्व में गठित की गई थी, वे–

(a) बी.जी. तिलक थे
(b) स्वामी सहजानन्द सरस्वती थे
(c) एम.के. गाँधी थे
(d) सुभाषचंद्र बोस थे

Ans : (b) स्वामी सहजानन्द सरस्वती भारत के राष्ट्रवादी नेता एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वे एक बुद्धिजीवी लेखक, समाज-सुधारक, क्रांतिकारी, इतिहासकार एवं किसान-नेता थे। इन्हें 'किसान आन्दोलन' के जनक के रूप में जाना जाता है इन्होनें प्रथम अखिल भारतीय किसान संगठन 'अखिल भारतीय किसान सभा (1936)' की अध्यक्षता की। इन्होंने खेतिहर मजदूरों की दशा सुधारने के लिए जमींदारी प्रथा की समाप्ति, किसानों को संपत्ति का अधिकार आदि माँगे ब्रिटिश सरकार के समक्ष रखी। वे किसानों के बीच 'किसान-प्राण' के रूप में संबोधित किए जाते थे।

34. इंग्लैण्ड में पढने वाले गुट का नेतृत्व करते हुए, किसने 1933 में एक पृथक मुस्लिम राज्य 'पाकिस्तान' का प्रस्ताव दिया था?

(a) मोहम्मद अली जिन्ना (b) सिकंदर हयात
(c) चौधरी रहमत अली (d) लियाकत अली खाँ

Ans : (c) चौधरी रहमत अली का जन्म पंजाब में होशियारपुर जिले के बलचौर नामक शहर में हुआ था। चौधरी रहमत अली ने सर्वप्रथम पाकिस्तान शब्द को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया इन्होंने ही 1933 में एक पृथक मुस्लिम राज्य 'पाकिस्तान' का प्रस्ताव दिया था। इसीलिए इन्हें पाकिस्तानी मुस्लिम राष्ट्रवादी माना जाता है। इसी पाकिस्तान का आगे चलकर मुहम्मद अली जिन्ना ने नेतृत्व किया जो 14 अगस्त 1947 को स्वतंत्र होकर एक अलग देश बन गया।

35. किस कर्नाटिक युद्ध को 'सेंट थोम के युद्ध' के रूप में स्मरण किया जाता है?

(a) प्रथम कर्नाटिक युद्ध (b) द्वितीय कर्नाटिक युद्ध
(c) तृतीय कर्नाटिक युद्ध (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) कर्नाटक युद्ध भारत में इंग्लैण्ड और फ्रांस के बीच 18वीं शताब्दी के मध्य अपने बर्चस्व की स्थापना को लेकर हुआ युद्ध था। युद्ध का केन्द्र स्थापना को लेकर हुआ युद्ध था। युद्ध का केन्द्र कर्नाटक के भूभाग रहे इसलिए इसे कर्नाटक का युद्ध कहते है। प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48) में अंग्रेज एडमिरल बर्नेट के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना द्वारा कुछ फ्रांसीसी जहाजों पर अधिकार कर लिया गया बदले में फ्रांसीसी गवर्नर ला बूर्दने के सहयोग से डूप्ले ने मद्रास के अंग्रेज गवर्नर मोर्स को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। इस युद्ध को 'सेंटथोमे के युद्ध' के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध 'आक्सा-लॉ-शैपेल नामक संधि के तहत समाप्त हो गया। मद्रास पुनः अंग्रेजों को मिल गया।

36. निम्नलिखित में से किसने कहा था, ''शेर की तरह एक दिन जीना अधिक अच्छा है, बनिष्पत बकरा की भाँति पूरी उम्र जीने से।''

(a) हैदर अली ने (b) नाना साहब ने
(c) टीपू सुल्तान ने (d) सिराजुद्दीन दौलार ने

Ans : (c) मैसूर के प्रमुख शासक हैदरअली और टीपू सुल्तान थे। टीपू सुल्तान अपने पिता हैदरअली की मृत्यु के बाद मैसूर की गद्दी पर बैठा। इसे अरबी, फारसी, उर्दू एवं कन्नड़ भाषाओं का ज्ञान था। इन्होंने 'सुल्तान' की उपाधि धारण की तथा 1787 में अपने नाम से सिक्के को जारी करवाया। फ्रांसीसी क्रांति से प्रभावित टीपू ने श्रीरंगपट्टनम में 'जैकोबिन क्लब' की स्थापना की और उसका सदस्य बना तथा स्वयं को 'नागरिक टीपू' कहने लगा। इन्होंने अपनी राजधानी श्रीरंगपट्टनम में फ्रांस और मैसूर के मैत्री का प्रतीक 'स्वतंत्रता का वृक्ष' लगाया। चतुर्थ आंग्ल-मैसूर (1799ई.) के दौरान टीपू सुल्तान ने कहा था शेर की तरह एक दिन जीना अच्छा है वनिस्पत बकरा की भाँति पूरी उम्र जीने से''। इसी युद्ध में 4 मई 1799 को टीपू संयुक्त अंग्रेजी सेना से लड़ता हुआ वीरगति को प्राप्त हुआ।

37. निम्नलिखित में से, ब्रिटिश काल में किसे ''स्थानीय स्वशासन'' का मुख्य सुधारक माना जाता है?

(a) लार्ड रिपन (b) लार्ड लिट्टन
(c) लार्ड कर्जन (d) लार्ड कैनिंग

Ans : (a) लार्ड रिपन (1880-1884) भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय गवर्नर जनरल था। इन्होंने अपने काल में अनेक सुधारात्मक कदम उठाए इसीलिए फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने इन्हें 'भारत का उद्धारक'' की संज्ञा दी। इनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधार-वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट की समाप्ति (1882), श्रमिकों की दशा में सुधार के लिए प्रथम कारखाना अधिनियम पारित (1881) प्रथम वास्तविक जनगणना (1881) की शुरूआत, स्थानीय स्वशासन सम्बन्धी सरकारी प्रस्ताव को पारित किया गया इसीलिए इन्हें स्थानीय स्वशासन का मुख्य सुधारक माना जाता है।

38. निम्नलिखित में से किसने चार परिधीय न्यायालयों ('सर्किट कोर्ट्स') को आरम्भ किया, जिनमें तीन बंगाल और एक बिहार के लिए था?

(a) वारेन हेस्टिंग (b) लॉर्ड कॉर्नवॉलिस
(c) विलियम बेंटिक (d) लॉर्ड डलहॉजी

Ans : (b) लार्ड कार्नवालिस (1786-1793) फोर्ट विलियम प्रेसिडेंसी के गवर्नर जनरल रहे। इन्होंने 1793 ई.वी. में बंगाल में स्थायी बंदोबस्त के रूप में एक नई राजस्व पद्धति की शुरूआत की। भारत में सिविल सेवा आरंभ करने का श्रेय इन्हीं को है इसलिए इन्हे 'सिविल सेवा का जनक' कहा जाता है। कार्नवालिस ने अपने न्यायिक सुधारों को 1793 तक अंतिम रूप देकर कार्नवालिस संहिता के रूप में प्रस्तुत किया, जो कि 'शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित थी। इसके तहत् जिला दीवानी न्यायालयों में कार्य भी दिये गये। जिला फौजदारी न्यायालय समाप्त कर दिये गये तथा चार परिधीय न्यायालयों (सर्किट कोर्ट्स) को आरम्भ किया जिसमें तीन न्यायालय बंगाल व एक बिहार के लिये था।

39. स्वतंत्र भारत के प्रथम आम चुनाव में कितने प्रतिशत योग्य मताधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था?

(a) 46.6% (b) 49.3%
(c) 56% (d) 68%

Ans : (*) स्वतंत्र भारत के प्रथम आम-चुनाव 1951-52 में हुये। इसमें कुल 497 लोकसभा व 3283 राज्य विधानसभा सीटों के लिये मतदान हुआ। 25 अक्टूबर 1951 को हिमाचल प्रदेश की चिनी तहसील में प्रथम वोट डाला गया। कांग्रेस ने 364 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत प्राप्त किया। एक निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक सीटें होने के कारण 489 स्थानों के लिये 401 निर्वाचन क्षेत्रों में ही चुनाव हुआ। 86 निर्वाचन क्षेत्रों में दो सीटें व एक क्षेत्र में तीन सीटें थीं। दो सदस्य आंग्ल भारतीय समुदाय से नामांकित हुये। उपलब्ध स्रोतों के मतभिन्नता के आधार पर इस प्रश्न को आयोग द्वारा निरस्त किया गया है।

40. द्वितीय पंचवर्षीय योजना की अवधि थी ।

(a) 1950-1955 (b) 1957-1962
(c) 1952-1957 (d) 1956-1961

Ans : (d) द्वितीय पंचवर्षीय योजना की अवधि 1956-1961 तक रहा। 'प्रो. पी.सी. महालनोबिस' के मॉडल पर आधारित इस योजना का लक्ष्य 'तीव्र औद्योगिकीकरण' था। इस योजना को 'महालनोविस योजना' भी कहा जाता है। द्वितीय पंचवर्षीय योजना के लिए भारी तथा मूल उद्योगों पर विशेष बल दिया गया। इस योजना में आय व सम्पत्ति की असमानताओं को कम करके आर्थिक अधिकार को प्रबल बनाने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना के तहत पूँजी निवेश की दर को लगभग 7% से बढ़ाकर 1960-61 तक 11% का लक्ष्य रखा गया।

41. निम्नलिखित में से कौन जल-परिवहन या नदियों के आवागमन के प्रबंध के लिए मुगल प्रान्तों या सूबों में उत्तरदायी था?

(a) प्रान्तीय बक्शी (b) मीर बहर
(c) वाकिया नवीस (d) प्रान्तीय दीवान

Ans : (b) मुगल प्रशासन 'भारतीय तथा गैर-भारतीय (विदेशी) तत्वों का सम्मिश्रण था। इस प्रशासन को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए भिन्न-भिन्न प्रमुख अधिकारियों की नियुक्तियाँ की गयी थी जिसमें प्रमुख थे–

1. मीर-ए-बहर - जल सेना का प्रधान होता था इनका प्रमुख कार्य शाही नौकाओं की देखभाल करना था।
2. वाकिया-नवीस - यह समाचार लेखक होता था जो राज्य के सारे समाचारों से केन्द्र को अवगत कराता था।
3. मीर-ए-अर्ज - यह बादशाह के पास भेजे जाने वाले आवेदन पत्रों का प्रभारी होता था।
4. मुशरिफ - यह राज्य की आय व्यय का लेखा-जोखा रखता था
5. मीरबख्शी- सैन्य विभाग का सर्वोच्च अधिकारी होता था।

42. मध्यकालीन भारत, में पहली बार, गैर-मुस्लिमों को सरकारी नौकरियों में प्रवेश मिला था।

(a) अलाउद्दीन खलजी के शासन-काल में
(b) जलालुद्दीन खलजी के शासन-काल में
(c) गयासुद्दीन तुगलक के शासन-काल में
(d) मोहम्मद बिन तुगलक के शासन काल में

Ans : (d) मुहम्मद बिन तुगलुक 1325 ई. में दिल्ली सल्तनत की गद्दी पर बैठा। वह एक आकर्षक परंतु विवादित व्यक्तित्व का मालिक था। वह तर्क, दर्शन, खगोल विज्ञान, गणित आदि विषयों में दक्ष था, साथ ही वह धार्मिक रूप से सहिष्णु भी था। मोरक्को से आये इब्नबतूता ने 'रेहला' में उसका विस्तृत वर्णन दिया है। उसके अनुसार राजा प्रशासन में उच्च व निष्पक्ष सोच से कार्य करता था। अतः उसने प्रशासन को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिये योग्य हिन्दुओं व गैर-मुस्लिमों को भी सरकारी नौकरियों में स्थान दिया। इस नीति से उसने तुर्कों की जातीय उच्चता की भावना को चोट पहुँचाई।

43. निम्नलिखित दिल्ली सुल्तानों में से किसने 'सांकेतिक मुद्रा' प्रारम्भ की थी?

(a) इल्तुतमिश (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मोहम्मद बिन तुगलक (d) सिकंदर लोदी

Ans : (c) गयासुद्दीन तुलगक की मृत्यु के बाद उलुग खाँ (जौना खाँ/मुहम्मद तुगलक) के नाम से शासन किया। इनके शासनकाल के दो महत्वपूर्ण स्रोत- तारीख-ए-फिरोजशाही (बरनी), रेहला (इब्नबतूता) था। इन्होंने चाँदी के सिक्के के स्थान पर तॉबें का सिक्का जारी करवाया तथा उसका प्रचलन चाँदी के सिक्के की भाँति 'प्रतीक मुद्रा' के रूप में करवाया। इस सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन अत्यधिक विशाल सेना रखने के उद्देश्य से किया गया क्योंकि लगातार दूसरे राज्यों को जीतने की सुल्तान की योजना रहती थी। उस समय सोने व चाँदी के सिक्के कम होने के कारण इस प्रकार के सिक्के को जारी किया गया।

44. मराठो के अधीन 'जमींदारी व्यवस्था' को कहते थे।

(a) मोकासा (b) देशमुखी
(c) मीरासदारी (d) अष्टप्रधानी

Ans : (c) शिवा जी ने संपूर्ण राज्य को चार प्रांतों में विभक्त करते हुये जमीदारी प्रणाली, को समाप्त कर रैय्यतवाडी व्यवस्था लागू की तथा देशमुख, देशपांडे, पाटिल व कुलकर्णी नाम से प्रसिद्ध वंशानुगत राजस्व कर्मचारियों की स्थिति में परिवर्तन किया। शिवाजी के शासन में मात्र मीरासदारी व्यवस्था शेष थी जो कि वंशानुगत जमींदारी व्यवस्था थी। शिवाजी ने इस पर कड़ी निगरानी व नियंत्रण के उपाय किये। चौथ व सरदेशमुखी मराठ राजस्व के अन्य स्रोत थे। वहीं मोकासा बड़े सरदारों व सेनापतियों की भुगतान, जागीर अनुदान (मोकासा या सरंजाम) के रूप में किया जाता था। आयोग अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर B व C दोनों माना है।

45. औरंगजेब द्वारा संगीत-प्रतिबन्धित करने की सूचना हमें मिलती है।

(a) साकी मुस्तैद खाँ से (b) काज़िम शिराजी से
(c) मनूसी से (d) बर्नियर से

Ans : (a & c) मुगल शासन के दौरान हिन्दुओं व मुस्लिमों के सांस्कृति जीवन में संगीत की अहम भूमिका रही। अकबर के शासन से शुरू हुआ यह सफर शाहजहाँ काल तक निर्वाध रूप से चलता रहा। औरंगजेब ने इस्लामी परंपराओं को महत्त्व देते हुये दरबारी गायन पर रोक लगा दी हॉलांकि उपलब्ध स्रोतो के आधार पर स्पष्ट है कि उसने वाद्य यंत्रों पर रोक नहीं लगायी। वह स्वयं एक कुशल वीणा-वादक था। मनूची की स्टोरियो दि मीगोर व साकी मुस्तैद खाँ की मासिर-ए-आलमगीरी में औरंगजेब द्वारा संगीत-प्रतिबंध का वर्णन प्राप्त होता है। ये महत्वपूर्ण है कि प्रतिबंध के बावजूद फारसी में भारतीय शास्त्रीय संगीत पर सर्वाधिक पुस्तकें औरंगजेब के शासनकाल में ही लिखी गयीं। आयोग ने अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर A व C दोनों माना है।

46. 'रज्मनामा' फ़ारसी अनुवाद है।

(a) पंचतंत्र का (b) रामायण का
(c) महाभारत का (d) कथासरित सागर का

Ans : (c) रज्मनामा हिन्दुओं के प्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत का फारसी भाषा में किया गया अनुवाद है। महाभारत का फारसी अनुवाद मुगल बादशाह अकबर के आदेश से बदायूँनी, नकीब खाँ और अब्दुल कादिर ने 'रज्मनामा' नाम से किया था। रज्मनामा पाण्डुलिपि को मुगल चित्रकला के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है। रज्मनामा के चित्रों में भगवान कृष्ण एवं बलराम का जरासंध के साथ युद्ध, शिशुपाल वध, द्रौपदी का स्वयंबर, पारिजात हरण आदि प्रसंग मुख्य है। इसी श्रृंखला में मुगलकाल का एक शानदार चित्र लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय में है जिसमें कृष्ण को अपने घोड़े को पानी पिलाते हुए दिखाया गया है।

47. जौनपुर में शर्की राज्य स्थापित किया था।

(a) अहमदुल्ला मुहम्मद शाह ने
(b) अबु बक्र शाह ने
(c) मलिक सरवर ने
(d) मलिक मुबारक ने

Ans : (c) फिरोजशाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई जौना खाँ (मुहम्मद बिनतुगलक) की मुख्य स्मृति में गोमती नदी के तट पर जौनपुर नगर की नींव रखी। 1394ई. में मुहम्मद बिन तुगलक ने अपने एक दास मलिक सरवर ख्वाजा जहाँ को 'सुल्तान उस शर्क (पूर्व का स्वामी) की उपाधि सहित प्रशासन करने के लिए जौनपुर भेजा। उसने दिल्ली पर हुए तैमूर के आक्रमण के कारण व्याप्त अस्थिरता का लाभ उठाकर जौनपुर में 'शर्की वंश' की नींव डाली। इस सल्तनत का क्षेत्र उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से उत्तरी बिहार के दरभंगा तक और गैर उत्तर नेपाल की सीमा से दक्षिण में बुंदेलखण्ड तक था। अन्ततः दिल्ली के सुल्तान लोदी वंश ने जौनपुर को जीत लिया और शर्की सल्तनत को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया। जौनपुर राज्य को 'पूर्व का शिराज' भी कहा जाता है।

48. उपनिषदों का फ़ारसी अनुवाद किया था।

(a) फ़ैजी ने (b) अबुल फ़ज़ल ने
(c) बदायुनी ने (d) दारा शिकोह ने

Ans : (d) मुगल बादशाह शाहजहाँ और मुमताज महल का सबसे बड़ा पुत्र दाराशिकोह था। दाराशिकोह सभी धर्म और मजहबों का आदर करता था और हिन्दू धर्म दर्शन व ईसाई धर्म में विशेष दिलचस्वी रखता था। शाहजहाँ ने इसे 'शाह बुलंद इकबाल' की उपाधि से विभूषित किया था। लेनपूल ने इसे 'लघु अकबर कहा। इसने संस्कृत ग्रंथ' भगवद्गीता और 'योगवशिष्ठ' का फारसी में अनुवाद करवाया। अपनी मौलिक पुस्तक 'मज्म-उल-बहरीन' में इन्होंने हिन्दू और इस्लाम धर्म को एक ही ईश्वर की प्राप्ति के दो मार्ग बताया गया है। इन्होंने उपनिषदों के फारसी अनुवाद को 'सिर्र-ए-अकबर' के नाम से करवाया।

49. 1773 में रेग्युलेटिंग अधिनियम के प्रतिपादित किए जाने के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री कौन था?

(a) रॉबर्ट वॉलपोल (b) स्पेन्सर कॉम्प्टन
(c) फ्रेडरिक नॉर्थ (d) बिलियम कैवेन्डिश

Ans : (c) ब्रिटिश सरकार ने कम्पनी में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन को दूर करने के लिए 1773 ई. में रेग्यूलेटिंग एक्ट पारित किया। इस समय इंग्लैंड प्रधानमंत्री फ्रेडरिक लॉर्ड नॉर्थ थे। इस ऐक्ट के तहत कलकत्ता (1774) में एक सुप्रीमकोर्ट की स्थापना की गयी जिसके अधिकार क्षेत्र में बंगाल, बिहार व उड़ीसा शामिल थे।

50. भारत में वैधानिक प्रशासनिक सेवा किसने और कब स्थापित की थी?

(a) 1858 में लॉर्ड कैनिंग ने
(b) 1861 में लॉर्ड एल्गिन ने
(c) 1879 में लॉर्ड लिटन ने
(d) 1882 में लॉर्ड रिपन ने

Ans : (c) लार्ड-लिटन (1876-1880) को उसकी विद्वता के कारण साहित्य जगत में 'ओवन मैरिडिथ' कहा जाता था इसके द्वारा किए गए सुधार कार्य निम्न है–इन्होंने रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में 1878 में एक अकाल आयोग का गठन किया। इन्होंने 'वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878) के तहत भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया गया।' इन्होंने भारतीयों के लिए एक सार्वजनिक परीक्षा की व्यवस्था की तथा सिविल सेवा में परीक्षा की आयु 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई। इसी के साथ उन्होंने कृषकों की सुविधा के लिए कृषक राहत अधिनियम 1879 पारित किया।

51. ब्रिटिश भारतीय सेना में, निम्नलिखित में से किसने सर्वाधिक सुधारों को आरम्भ किया था?

(a) एच. एच. किचनर ने (b) क्लॉड अचिनलेक ने
(c) ट्रेवर ऑस्टिन ने (d) टॉमस हेनरी ने

Ans : (a) किचनर एक ब्रिटिश सैन्य नेता और राजनेता थे जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के पहले वर्षों में युद्ध के लिए राज्य के सचिव के रूप में एक अभूतपूर्व पैमाने पर सेनाओं का आयोजन किया उन्हें अब तक के सबसे प्रसिद्ध ब्रिटिश सेना भर्ती पोस्टर पर भी चित्रित किया गया था। उन्होंने 1884-85 में खार्तूम में जनरल चार्ल्स गॉर्डन को राहत देने के असफल ऑपरेशन में भाग लिया और 1886 में पूर्वी सूडान के गवर्नर जनरल नियुक्त किए गए। 1900 में इन्हें बोअर युद्ध में ब्रिटिश कमांडर लॉर्ड रॉबर्ट्स के लिए चीफ ऑफ स्टॉफ नियुक्त किया गया। इस युद्ध के नेतृत्व के लिए उन्हें 'फ्रीडम ऑफ द बोरो' कहा गया। अन्ततः उन्होंने जीवन पर्यन्त ब्रिटिश भारतीय सेना में सुधार करते हुए मजबूती प्रदान किया।

52. 1927 में अखिल भारतीय नारी सम्मेलन की स्थापना किसने की थी?

(a) सावित्री बाई फूले (b) मारग्रेट कजिन्स
(c) कमला नेहरू (d) कैथरीन कजिन्स

Ans : (b) मारग्रेट कजिन्स थियोसोफिस्ट और राष्ट्रवादी कार्यकर्त्ता थीं वे भारत में पहली महिला मजिस्ट्रेट बनीं। पूना (1916) में भारतीय महिला विश्वविद्यालय की पहली गैर-भारतीय सदस्य चुनी गईं। इन्होंने 1927 में अखिल भारतीय नारी सम्मेलन (पूना) की स्थापना की। इसकी स्थापना से नारी शिक्षा, सामाजिक क्षेत्र में नारी विकास, व्यावसायिक स्तर पर नारी की स्थिति में सुधार तथा अन्य महिला संबंधी अधिकारों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कार्य किया था। ताकि नारी की स्थिति में सुधार हो सके। अखिल भारतीय सम्मेलन में महिला पर लगे विभिन्न प्रतिबंधों जैसे– बाल विवाह, पर्दा प्रथा इत्यादि को न केवल दूर करने का प्रत्यन किया बल्कि 1927 का बाल विवाह अधिनियम इन्हीं के प्रयासों का प्रतिफल था।

53. ''हूल'' नामक आन्दोलन से उन्नीसवीं शताब्दी की कौन सी जनजाति (ट्राईब) सम्बन्धित है?

(a) मुन्डा (b) संथाल
(c) कोल (d) टोडा

Ans : (b) सन् 1857 के विद्रोह के पूर्व हूल क्रांति अंग्रेजों के विरूद्ध संथाल परगना में हुई थी यह विद्रोह मुख्यतः संथाल आदिवासियों द्वारा किया गया। यह विद्रोह भूमिकर अधिकारियों के हाथों दुर्व्यवहार, पुलिस के दमन, जमींदारों–साहूकारों की वसूलियों के विरूद्ध अपने शेष को प्रकट करने के लिए किया गया। संथाल विद्रोह को सिद्धू और कान्हू नामक दो संथालो ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। परन्तु सरकार ने संथालों के विद्रोह को कुचलने के लिए उपद्रव ग्रस्त क्षेत्रों में मार्शल लॉ लगा दिया तथा विद्रोही नेताओं को पकड़ने के लिए दस हजार का इनाम घोषित किया अन्ततः सिद्धू और कान्हू को पकड़कर फॉसी की सजा दी गई।

54. निम्नलिखित में से किसे 1928 में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना से संबंध नहीं था?

(a) भगतसिंह (b) चन्द्रशेखर आजाद
(c) लाला हरदयाल (d) सुखदेव थापर

Ans : (c) हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) 1924 में स्थापित हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का संसोधित रूप है। चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में सितम्बर 1928 को दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में इसकी स्थापना की। इस एसोसिएशन के अन्य नेता-भगत सिंह, सुखदेव, भगवती चरण बोहरा, जयदेव कपूर, विजय कुमार सिन्हा आदि थे। एच.एस.आर.ए. के दो सदस्य भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली के केन्द्रीय विधानमण्डल में बम फेंका जिन्हें अन्ततः लाहौर षड्यंत्र केस में फाँसी की सजा दे दी गई।

55. निम्नलिखित में से कौन कांग्रेस समाजवादी दल से सम्बन्धित नहीं था?

(a) जय प्रकाश नारायण (b) आचार्य नरेन्द्र देव
(c) मानवेन्द्र नाथ रॉय (d) अचुत पटवर्धन

Ans : (c) कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना 1934 ई. में बंबई में आचार्य नरेन्द्र देव, जयप्रकाश नारायण, मीनू मसानी एवं अशोक मेहता के प्रयत्नों से की गयी थी इस दल के प्रमुख सदस्य-अच्युत पटवर्धन, डॉ. राम मनोहर लोहिया, कमलादेवी चट्टोपाध्याय आदि थे। कांग्रेस के अन्दर के प्रगतिशील नेताओं ने कांग्रेस के गैर प्रगतिशील नातियों से असंतुष्ट होकर इस दल की स्थापना की। इस पार्टी की स्थापना का उद्देश्य-देश की आर्थिक विकास की प्रक्रिया राज्य द्वारा नियोजित एवं नियंत्रित हो, राजाओं और जीमींदारों का उन्मूलन बगैर मुआवजे से किया जाए।

56. निम्नलिखित में से किस दर्शन ने बंगाल के स्थायी बन्दोबस्त (1793) को प्रभावित किया था?

(a) व्हिग विचारधारा दर्शन (b) उपयोगितावाद
(c) प्रणयवाद (d) वाणिज्यवाद

Ans : (a) लार्ड कार्नवालिस ने वारेन हेस्टिंग्स द्वारा अपनायी गई नीति की जगह उसके प्रशासन का और अधिक आंग्लीकरण करने का तथा ब्रिटिश सरकार के ह्विग (whig) सिद्धांतो को भारत पर लागू करने का प्रयास किया इसका उद्देश्य भारतीय राजनीतिक परंपरा के तथाकथित निरंकुश पक्षों को त्यागकर और इसके लिए न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण सुनिश्चित करने सरकार के हस्तक्षेप को सीमित करना था। इसीलिए कार्नवालिस ने इस्तमारी बंदोबस्त (स्थायी) का आरंभ किया तथा इसके द्वारा कानून का शासन और निजी संपत्ति के अधिकार वैयक्तिक उद्यमशीलता को रीति-रिवाजों की जकड़न से मुक्त करेंगे और समाज व अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाएँगे।

57. महात्मा गाँधी ने मात्र एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी, वह स्थान था।

(a) काकिनाडा (1923) (b) बेलगाँव (1924)
(c) कानपुर (1925) (d) गौवहाटी (1926)

Ans : (b) महात्मा गाँधी ने अपने प्रारंभिक जीवन में द. अफ्रीका की नस्लभेद नीति का विरोध किया था भारत आने पर 1915 में अहमदाबाद के समीप साबरमती नदी के किनारे सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की। इन्होंने यहाँ पर अनेक विद्रोहों जैसे– चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह का नेतृत्व किया। असहयोग आंदोलन चलाया। उन्होंने कांग्रेस के एकमात्र वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की जो दिसम्बर 1924 में बेलगाँव (कर्नाटक) में आयोजित किया गया था। बेलगाँव पश्चिमी घाट में समुद्र तल से 760 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। शाहपुर और माधवपुर बेलगांव के दो उपनगर हैं।

58. निम्नलिखित में से कौन सा गवर्नर जनरल पुलिस सुधारों के लिए जाना जाता है?

(a) लार्ड मायो (b) लार्ड कर्जन
(c) लार्ड इरविन (d) लार्ड मिन्टो

Ans : (b) लार्ड एल्गिन द्वितीय के पश्चात 1899ई. में लार्ड कर्जन भारत का वायसराय बनकर आया। लार्ड कर्जन ने पुलिस प्रशासन में सुधार के लिए एण्ड्रयू फेजर की अध्यक्षता में 'पुलिस आयोग' का गठन 1902ई. में किया। इस आयोग ने पुलिस प्रशासन को पूर्णतः अक्षम, भ्रष्ट एवं दमनकारी माना। परन्तु पुलिस आयोग ने सभी स्तरों में वेतन की वृद्धि, प्रशिक्षण की व्यवस्था, प्रांतीय पुलिस की स्थापना व केन्द्रीय गुप्तचर विभाग की स्थापना की व्यवस्था की गई। इन्हीं के काल में सर टॉमस रैले की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना (1902), सर एण्टोनी मैकडोनाल्ड की अध्यक्षता में अकाल आयोग (1899-90) का गठन किया गया।

59. प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ही मुस्लिम संगठन ने मुस्लिमों को राजनीति में भागीदारी के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ समझौते पर प्रयास करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, वह।

(a) मुस्लिम लीग था (b) अहमदिया आन्दोलन था
(c) अहरार लीग था (d) देवबन्द आन्दोलन था

Ans : (*) 1906 में गठित अखिल भारतीय मुस्लिम लीग एक राजनीतिक समूह था जिसने ब्रिटिश सत्ता के समाप्त होने पर हिन्दुओं के वर्चस्व को लेकर भय जताया तथा कालांतर में एक अलग राष्ट्र की माँग की। अहमदिया आंदोलन एक धर्म आधारित आंदोलन था जिसमें यह कहा गया कि मिर्जा गुलाम अहमद पैगम्बर की तरह नबी थे। देवबंद आंदोलन अंग्रेज विरोधी आंदोलन था जिसे मुहम्मद कासिम ननौखी एवं रशीद अहमद गंगोही ने 1867 में देवबंद में इस्लामी मदरसे की स्थापना से की। इसने अंग्रेजी व पाश्चत्य शिक्षा पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया।

अतः स्पष्ट है कि उपर्युक्त मुस्लिम संगठनों ने न ही मुस्लिमों को राजनीति में भागीदारी और न ही कांग्रेस से समझौते का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। आयोग ने अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न को निरस्त कर दिया है।

60. भारत में महिला आन्दोलन का शुभारम्भ मुख्यतः जिसके नेतृत्व में हुआ, वे।

(a) सरोजिनी नायडू थीं (b) श्रीमति एनी बेसेंट थीं
(c) रमाबाई रानाडे थीं (d) हीराबाई टाटा थीं

Ans : (c) रमाबाई रानाडे ने महिला आन्दोलन का शुभारम्भ किया। इन्होंने बाल विवाह के विरोध में और विधवाओं के हालातों पर बोलना शुरू किया। महिला सुरक्षा के लिए पुणे में 'आर्य महिला समाज' की शाखा स्थापित की। इन्होंने जस्टिस महादेव गोविन्द रानाडे से विवाह किया जो एक प्रतिष्ठित भारतीय विद्वान और समाज सुधारक थे। रमाबाई ने महिलाओं में सार्वजनिक बोलने की शक्ति को विकसित करने के लिए मुंबई में 'हिन्दू लेडीज सोशल क्लब' की शुरूआत की।

61. ''देश-प्रेम धर्म है तथा धर्म है भारत के प्रति प्रेम।'' निम्नलिखित में से यह कथन किसका है?

(a) स्वामी विवेकानन्द (b) राजनारायण बोस
(c) बंकिमचंद्र चटर्जी (d) बाल गंगाधर तिलक

Ans : (c) बंकिमचन्द्र चटर्जी उन्नीसवीं शताब्दी के बंगाल के प्रकाण्ड विद्वान तथा महान कवि और उपन्यासकार थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कृति आनन्दमठ में 'वंदे मातरम्' गीत की रचना की। वंदेमारतम् गीत को सबसे पहले 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। वे ऐतिहासिक उपन्यास लिखने में सिद्धहस्त थे वे भारत के एलेक्जेंडर ड्यूमा माने जाते हैं। उन्होंने 1865 में बंग्ला भाषा में अपना पहना उपन्यास 'दुर्गेश नन्दिनी' लिखा। उनका कहला था कि नई राष्ट्रीय धार्मिकता केवल शिक्षा के विकास व विस्तार से लायी जा सकती है। इन्होंने शिक्षा की उपयोगिता को समझते हुए पूरे देश में सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने धर्म के बारे में कहा कि ''देश प्रेम धर्म है तथा धर्म है भारत के प्रति प्रेम''।

62. किसानों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाली, किसान-आन्दोलन की सर्वाधिक निर्भीक तथा साहसी महिला थी।

(a) अम्बिका चक्रवर्ती (b) स्नेहलता वाडेकर
(c) वीरा गुनम्मा (d) प्रीति लता वाडेकर

Ans : (c) वीरा गुनम्मा का जन्म मंदसा जिले के राजापुरम् गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने 1940 के दशक में किसानों के पक्ष में जमींदार वर्ग के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया। जमींदार वर्ग का वनों व अन्य संसाधनों पर एकाधिकार के विरूद्ध वीरा गुनम्मा ने गरीब किसानों के साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया। इसी विरोध के दौरान 1 अप्रैल, 1940 को हुयी गोलीबारी में उन्हे अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। उनकी शहादत से प्रेरित होकर किसानों ने संघर्ष जारी रखा। वर्ष 1988 में राज्यपाल कुमुद बेन जोशी ने वीरा गुनम्मा के स्मारक का उद्घाटन किया तथा उनके गाँव का नाम बदलकर वीरा गुनम्मा राजापुरम् कर दिया गया।

63. उन्नीसवीं शताब्दी के बंगाल के मध्यम वर्ग की केन्द्रीय संरचना में थे।

(a) व्यापारी (b) साहूकार
(c) जमींदार (d) पेशेवर समूह

Ans : (c) 18वीं शताब्दी के अन्त तक बंगाल व मद्रास के पुराने जमींदार राजस्व वूसली के अधिकार नीलाम करने की नीति के तहत् लगभग आर्थिक कंगाल हो चुके थे तथा वे अपने जमींदारी अधिकारों को बेचने पर मजबूर किये गये। 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ मैं जमींदारों की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। ब्रिटिश प्रशासन द्वारा रैय्यतों पर उनके अधिकार बढ़ा दिये गये फलतः जमींदारों ने लगान की अधिकतम सीमा तक बढ़ाने हेतु कमर कस ली। वे पुनः समृद्ध हो गये तथा मध्यम वर्ग की केन्द्रीय संरचना में जमींदार प्रमुख बन गये हॉलांकि व्यापार-वाणिज्य की स्थिति में सुधार के साथ ही पेशेवर समूह भी इसमें अवश्य शामिल हो गया।

64. 1834 में किसने कहा था कि, ''सूती वस्त्र बुनकरों के कंकाल, भारत के मैदानों को बदरंग कर रहे हैं।''

(a) राजा राम मोहन राय ने (b) विलियम बेंटिंक ने
(c) दादाभाई नौराजी (d) आर.सी. दत्त

Ans : (b) लार्ड विलियम बेंटिक (1828-35) भारत का प्रमुख गवर्नर जनरल था भारत में इसके द्वारा किए गए प्रमुख सुधार-शती प्रथा पर रोक (1829), ठगी प्रथा तथा शिशु वध का अंत (1830), मानव-बलि का निषेध, दास प्रथा का अंत। यह उन्मुक्त व्यापार और उन्मुक्त प्रतियोगिता का पक्षधर था इन्होंने कंपनी की आर्थिक बदहाली और प्रशासनिक दोषों को दूर करने के साथ-साथ लोक कल्याणकारी कार्य भी किए। 1833 के चार्टर एक्ट के द्वारा बंगाल का गवर्नर जनरल अब 'भारत का गवर्नर जनरल' कहा जाने लगा इस तरह ये भारत के पहले गवर्नर-जनरल बने। इन्होंने सूती वस्त्रों के विरोध में कहा कि ''सूती वस्त्र बुनकरों के कंकाल, भारत के मैदानों को बदरंग कर रहे हैं।''

65. **इन्द्र नारायण द्विवेदी, जिन्होंने संयुक्त प्रान्त को किसान सभा का गठन किया था, मूलतः अनुयायी थे।**
(a) मदन मोहन मालवीय के
(b) महात्मा गाँधी के
(c) सहजानन्द सरस्वती के
(d) आचार्य नरेन्द्रदेव के

Ans : (a) इन्द्रनारायण द्विवेदी बीसवीं सदी के महत्तवपूर्ण स्वतंत्रता सेनानी थे इन्होनें अपने कार्यक्षेत्र संयुक्त प्रांत से ही राजनीतिक कार्यकलाओं से जुड़े रहे। इन्होंने फरवरी 1918 ई. में संयुक्त प्रांत किसान सभा की स्थापना की जिसका गठन इलाहाबाद होमरूल लीग के धन से किया गया था। इसकी स्थापना का उद्देश्य 1919 ई. में होने वाले चुनावों को दृष्टि में रखते हुए की गयी थी। ये मदन मोहन मालवीय के शिष्य थे तथा इन पर मालवीय जी का बहुत प्रभाव था।

66. **किस वर्ष में पश्चिमी तट पर महाप्रान्तीय मुख्यालय सूरत से बॉम्बे स्थानांतरित हुआ था?**
(a) 1661 (b) 1668
(c) 1687 (d) 1691

Ans : (c) ब्रिटिश शासन के दौरान एक गवर्नर बाम्बे का मुख्य प्रशासनिक और राजनीतिक अधिकारी होता था। प्रेसीडेसी की कार्यकारी सरकार को राज्यपाल द्वारा प्रशासित किया गया था भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में प्रेसीडेंसी में उनके पास समान शक्ति और अधिकार रहते थे। अब्राहम शिपमैन को 1662 में बॉम्बे का पहला रॉयल गवर्नर नियुक्त किया गया था 1664 में जब सूरत में शिवाजी के अधीन मराठा झुंडो द्वारा छापा मारा गया तो जार्ज ऑक्सडेन द्वारा अंग्रेजी कारखाने का बचाव किया गया था। 1665 ई. में बाम्बे सरकार को 10 पाउंड के वार्षिक भुगतान के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी में स्थानांतरित कर दिया गया था। अन्ततः 1687 में कंपनी के मुख्यालय को भी सूरत से बाम्बे स्थानांतरित कर दिया गया तथा ब्रिटिश क्राउन ने कंपनी के भंग होने के बाद इस क्षेत्र का औपचारिक पुनर्ग्रहण कर लिया।

67. **कलकत्ता की स्थापना से पूर्व, बंगाल में अंग्रेजों की सर्वाधिक बड़ी बस्ती कौन सी थी?**
(a) कासिम बाजार (b) चटगाँव
(c) हुगली (d) मुर्शीदाबाद

Ans : (c) यूरोपीय वाणिज्यिक कंपनियों में अंग्रेजी कंपनी सर्वाधिक सफल रही इनकी सफलता का प्रमुख कारण था इनका भारत सहित समूचे एशियाई व्यापार के स्वरूप को समझना तथा व्यापार विस्तार में राजनैतिक सैनिक शक्ति का सहारा लेना था। कंपनी का प्रारंभिक उद्देश्य ही था 'भू-भाग नहीं बल्कि व्यापार'। 1619 ई. तक अहमदाबाद, भड़ौच, बडौदा व आगरा में कंपनी के व्यापारिक कारखाने स्थापित हुए इन सभी व्यापारिक कोठियों का नियंत्रण सूरत से होता था। शाहजहाँ ने पुर्तगालियों से नाराज होकर बंगाल के सीमित क्षेत्र में व्यापार करने की अनुमति अंग्रेजों को दी। अंग्रेजो ने हुगली (बंगाल) में अपनी सबसे बड़ी बस्ती का निर्माण किया इसके पश्चात् कासिम बाजार, पटना, राजमहल में भी कारखाने खोले। अन्ततः औरंगजेब द्वारा अंग्रेजों को व्यापार के लिए एक फरमान जारी कर दिया तथा 1672 में बंगाल के मुगल सुबेदार शाइस्ता खाँ द्वारा अंग्रेजों को मिलने वाली व्यापारिक सुविधा को बहाल कर दिया।

68. **'दह-साला व्यवस्था' में इलाही पंचाग (ऐरा) के किन वर्षों के राजस्व को सम्मिलित किया गया था?**
(a) 15वें से 24वें
(b) 16वें से 25वें
(c) 17वें से 26वें
(d) 18वें से 27वें

Ans : (a) अकबर ने भू-राजस्व व्यवस्था में महत्वपूर्ण संशोधन किये। इसके अर्न्तगत 1580-81 में अकबर ने आइन-ए-दहसाला (दसवर्षीय नियम) लागू किया, ये अकबर के शासनकाल का 24वाँ वर्ष था। इसके अन्तर्गत पिछले दस वर्षों में अर्थात् 1571 से 1580 ई. के मध्य विभिन्न क्षेत्रों से अनाज उत्पादन की दरें निर्धारित की गयी तथा उसका औसत निकाला गया। इसे 'रय' कहते थे। इसके आधार पर लगान नहीं औसत नगद दर निर्धारित की गयी। जिसे 'दस्तूर' कहा जाता था। अकबर द्वारा इलाही पंचाग 1584 ई. में चलाया गया पर बैठने के बाद पहले नौरोज अर्थात् 11 मार्च, 1556 में प्रारम्भ माने जाने पर 'दहसाला व्यवस्था' में अकबर के शासन के 15वें से 24वें वर्ष तक के राजस्व आँकड़ो को शामिल किया गाय है।

69. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?**
(a) तीर्थयात्रा-कर प्रतिबंध : 1563
(b) जज़िया की समाप्ति : 1565
(c) इबादत-खाना की स्थापना : 1575
(d) महजर की उद्घोणा : 1579

Ans : (b) अकबर मुगलवंश का प्रमुख शासक था उसने अपने शासनकाल में अनेक महत्वपूर्ण सुधार कार्यों को किया जैसे– दास प्रथा का अंत (1562), तीर्थयात्रा कर प्रतिबंध (1563), जजिया की समाप्ति (1564), इबादत–खाना की स्थापना (1575) महजर की उद्घोषणा (1579) आइन-ए-दहसाला (1582) आदि थे। इसी के काल में मनसबदारी व्यवस्था का प्रारंभ किया गया। मुगलकालीन आर्थिक जीवन की विस्तृत जानकारी आइने-अकबरी तथा विदेशी लेखको के संस्मरणो से प्राप्त होती है।

70. **निम्नलिखित में से किसने संतों की जीवनियों के संकलन वाले ''भक्तमाल'' की रचना की थी?**
(a) नन्ददास
(b) नाभादास
(c) कुम्भन
(d) रूप गोस्वामी

Ans : (b) नाभादास अग्रदास जी के शिष्य और साधुसेवी थे इन्होंने 'भक्तमाल' नामक ग्रंथ की रचना की जिसमें संतो की जीवनियों के संकलनों की चर्चा की गयी है। इस ग्रंथ में सभी संप्रदायों तथा सभी संप्रदाय के संतो का समान भाव से श्रद्धापूर्वक संस्मरण किया गया है। भक्तमाल अर्थात जैसे माला में चार वस्तुएँ मुख्य होती है– मणियाँ, सूत्र, सुमेरू, फुंदना (गुच्छा) वैसे ही भक्तमाल में भक्तजन मणि है, भक्ति है सूत्र, माला के ऊपर जो सुमेरू होता है वह है श्री गुरूदेव और सुमेरू का जो गाँठ रूपी गुच्छा है वह है हमारे श्री भगवान् भक्तमाल कोई सामान्य रचना नहीं है, अपितु यह एक आशीर्वादात्मक ग्रंथ है।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर (प्रवक्ता) परीक्षा 2014

मध्यकालीन इतिहास

(सहित व्याख्या हल प्रश्न-पत्र) **परीक्षा तिथि : 22 मार्च, 2015**

1. निम्नलिखित में से किसने दक्षिण भारत में अलाउद्दीन खिलजी के प्रभुत्व को स्वीकार नहीं किया?

(a) पाण्ड्य (b) होयसल

(c) यादव (d) काकतीय

उत्तर–(a)

व्याख्या–अलाउद्दीन के आदेश से दक्षिण भारत में द्वितीय आक्रमण मलिक काफूर ने तेलंगाना पर 1309 ई. में किया जिसमें काकतीय वंशीय शासक प्रतापरुद्रदेव द्वितीय पराजित हुआ और उसने मलिक काफूर को विश्व प्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा दिया। इसी क्रम में देवगिरि के यादव वंशीय नरेश रामचन्द्र देव और होयसल नरेश वीर बल्लाल तृतीय ने भी अलाउद्दीन की अधीनता स्वीकार कर ली। पाण्ड्य शासक वीर पाण्ड्य ने अलाउद्दीन की अधीनता स्वीकार नहीं की।

2. कुतुबुद्दीन मुबारक शाह के काल के राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन की जानकारी देने वाली अमीर खुसरो की पुस्तक का शीर्षक था :

(a) खजाइन-उल-फुतूह (b) नूह सिपेहर

(c) मिफता-उल-फुतुह (d) तुगलकनामा

उत्तर–(b)

व्याख्या–कुतुबुद्दीन मुबारकशाह के काल के राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन की जानकारी देने वाली अमीर खुसरो की पुस्तक का शीर्षक 'नूह सिपेहर' है। खजाइन–उल–फुतुह में अलाद्दीन के दक्कन अभियान का वर्णन है। मिफता उल फुतुह में जलालुद्दीन खिलजी के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। तुगलकनामा में गियासुद्दीन तुगलक के शासनकाल के विषय में जानकारी प्राप्त होती है?

3. मुहम्मद तुगलक के शासनक्षेत्र के लिए 'हिंद एवं सिंध' शब्द का प्रयोग किसने किया?

(a) जियाउद्दीन बरनी

(b) अब्दुल्ला मलिक इसामी

(c) इब्नबतूता

(d) याहिया बिन अहमद सरहिंदी

उत्तर–(c)

व्याख्या–मुहम्मद–बिन–तुगलक के शासन क्षेत्र के लिए 'हिन्द एवं सिन्ध' शब्द का प्रयोग इब्नबतूता ने किया है। अफ्रीफी यात्री इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में 1333 ईस्वी में भारत आया था। सुल्तान ने उसका खूब स्वागत किया तथा उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया। 1342 ईस्वी में इब्नबतूता सुल्तान के राजदूत की हैसियत से चीनी शासक तोगन तिमूर के दरबार में गया। इब्नबतूता ने मुहम्मद तुगलक के समय की घटनाओं का अपनी पुस्तक 'रेहला' में उल्लेख किया है।

4. निम्नलिखित में से किसने 'जमीनबौसी' सिजदा की प्रथा आरम्भ की?

(a) बलबन (b) बुगरा खाँ

(c) इल्तुतमिश (d) नासिरुद्दीन महमूद

उत्तर–(a)

व्याख्या–बलबन (1265–1287 ई.) ने सिजदा जमीनबौसी' और पैबोस प्रथा को अपने दरबार में फिर से शुरु करवाया जो मूलतः ईरानी प्रथा थी और जिन्हें गैर इस्लामी समझा जाता था। इसके अतिरिक्त उसने ईरानी त्यौहार नौरोज की प्रथा भी आरंभ की।

5. सल्तनत काल में जमीन की माप के लिए क्या शब्द प्रयुक्त होता था?

(a) मसाहत (b) गल्ला-बख्शी

(c) नस्क (d) बटाई

उत्तर–(a)

व्याख्या–सल्तनत काल में भूमि की माप के लिए 'मसाहत' शब्द प्रयुक्त होता था। मसाहत में भूमि की पैमाइस के आधार पर उपज का निर्धारण किया जाता था। अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद बिन तुगलक व सिकन्दर लोदी ने इस पद्धति को अपनाया था।

6. विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने किस भगवान के प्रतिनिधि के रूप में शासन करने का दावा किया?

(a) नटराज (b) मुरुगन

(c) वेन्कटेश (d) वीरुपाक्ष

उत्तर–(d)

व्याख्या–1336 ईस्वी में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना विशेषतः दक्षिण भारत की तथा सामान्यतः भारत के इतिहास की एक महान् घटना थी। संगम के पाँच पुत्रों में से हरिहर एवं बुक्का ने तुंगभद्रा के दक्षिणी तट पर स्थित अनेगोंडी दुर्ग के सामने विजयनगर शहर की स्थापना की। अपने इस साहसिक कार्य में हरिहर एवं बुक्का को अपने गुरु विद्यारण्य एवं वेदों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण से प्रेरणा मिली। इस साम्राज्य के शासकों ने विरूपाक्ष भगवान् के प्रतिनिधि के रूप में शासन करने का दावा किया।

7. सल्तनतकाल का सबसे प्रभावशाली वर्ग कौन सा था?

(a) सैय्यद (b) पीर

(c) उलेमा (d) खलीफा

उत्तर–(c)

व्याख्या–सल्तनत कालीन मुस्लिम राज्य सैद्धान्तिक रुप से धर्म प्रधान राज्य था। खलीफा मुस्लिम जगत का प्रधान होता था। दिल्ली सल्तनत के अधिकांश सुल्तानों ने अपने आपको खलीफा का नायब पुकारा परन्तु कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने स्वयं को खलीफा घोषित किया था। सल्तनत काल में उलेमा वर्ग का शासन पर अच्छा खासा प्रभाव था। यह वर्ग शासन की नीतियों के साथ-साथ धर्म पर भी प्रभाव रखता था।

8. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही नहीं है?

(a) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद — (i) कुतुबउद्दीन ऐबक
(b) अलाई दरवाजा — (ii) अलाउद्दीन खलजी
(c) आदिलाबाद का किला — (iii) मुहम्मद तुगलक
(d) काली मस्जिद — (iv) ग्यासुद्दीन तुगलक

उत्तर–(d)

व्याख्या–काली मस्जिद दिल्ली में फिरोजशाह के काल में बनी थी। इसका निर्माण जूनाशाह ने करवाया था। अर्द्धवृत्तीय मेहराबों से युक्त यह इमारत सल्तनत कालीन स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 27 जैन मंदिरों के ध्वंसावशेषों के ऊपर दिल्ली में करवाया था।

9. सूची -I को सूची-II से मिलान कर सही उत्तर बताइएः

सूची-I	सूची-II
(A) शेख मुईनुद्दीन चिश्ती	(i) दिल्ली
(B) शेख बहाउद्दीन जकारिया	(ii) अजोधन
(C) शेख फरीदुद्दीन मसूद गंज ए-शंकर	(iii) मुल्तान
(D) शेख निजामुद्दीन औलिया	(iv) अजमेर

(a) A - iv, B- iii, C- ii, D - i
(b) A - iii, B - i, C - iv, D - ii
(c) A - ii, B - iv, C - i, D - iii
(d) A - iv, B - ii, C - iii, D - i

उत्तर–(a)

व्याख्या–शेख मुइनुद्दीन चिश्ती ने अजमेर को केंद्र बनाकर भारत में सूफी परंपरा की नींव डाली। सुहरावर्दी सिलसिले के बहाउद्दीन जकारिया का मुख्यालय मुल्तान में था। चिश्तिया सम्प्रदाय के शेख फरीदुद्दीन मसूद गंज ए–शंकर का जन्म मुल्तान में हुआ था किन्तु इन्होंने हासी (हरियाणा) एवं अजोधन (पंजाब) में सूफीमत का प्रचार किया। निजामुद्दीन औलिया का मकबरा दिल्ली में स्थित है।

10. भक्ति आंदोलन को दक्षिण से उत्तर लाने वाले कौन थे?

(a) रामानुजाचार्य
(b) रामानन्द
(c) वल्लभाचार्य
(d) माध्वाचार्य

उत्तर–(b)

व्याख्या–रामानन्द (15वीं शताब्दी) उत्तर भारत के पहले महान् भक्त सन्त थे। वे रामानुजाचार्य के शिष्य थे। रामानन्द ने दक्षिण और उत्तर भारत के भक्ति आंदोलन के बीच सेतु का काम किया अर्थात् भक्ति आंदोलन को दक्षिण से उत्तर भारत में लाए। उनका जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उन्होंने विष्णु के स्थान पर राम की भक्ति आरंभ की।

11. निम्नलिखित में से कौन चिश्ती संत नहीं थे?

(a) शेख मुईनुद्दीन चिश्ती
(b) निजामुद्दीन औलिया
(c) शेख हमीदुद्दीन नागौरी
(d) शेख सद्रुद्दीन आरिफ

उत्तर–(d)

व्याख्या–शेख सद्रुद्दीन आरिफ सूफी संत नहीं थे। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती 1192 ईस्वी में सिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी की सेना के साथ भारत आए और भारत में चिश्ती नामक सूफी संप्रदाय की नींव डाली। इन्होंने अजमेर को अपना निवास स्थान बनाया। शेख निजामुद्दीन औलिया भी चिश्ती सम्प्रदाय के सूफी संत थे। इनका मकबरा दिल्ली में है। शेख हमीदुद्दीन नागौरी भी चिश्तियां सम्प्रदाय (12वीं शताब्दी) के सूफी संत थे। बाद में इन्होंने सुहरावर्दी मत का प्रचार किया।

12. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ अमीर खुसरो का नहीं है?

(a) किरान-उस-सादैन
(b) मिफता-उल-फुतुह
(c) तुगलकनामा
(d) तारिख-ए-यामिनी

उत्तर (d)

व्याख्या– किरान–उस्–सादैन, मिफता–उल–फुतूह और तुगलकनामा इत्यादि अमीर खुसरो की रचनाएँ हैं। तारिख-ए-यामिनी महमूद गजनवी के दरबारी इतिहासकार उत्बी की रचना है। इस ग्रंथ में उत्बी ने महमूद गजनवी की प्रशंसा की है।

13. निम्नलिखित घटनाओं को सही कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) मुगलों का बल्ख पर अधिकार
(B) माहवारी समानुपात प्रणाली का आरम्भ
(C) निजामशाही का अंत
(D) बीजापुर एवं गोलकुण्डा से मुगलों की संधि

कूट :

(a) B, C, D, A
(b) C, B, A, D
(c) D, C, B, A
(d) B, D, A, C

उत्तर–(*)

व्याख्या–शाहजहाँ ने सर्वप्रथम दक्षिण भारत में 1633 ईस्वी में अहमदनगर पर आक्रमण कर उसे मुगल साम्राज्य में मिला लिया तथा अंतिम निजामशाही सुल्तान हुसैनशाह को ग्वालियर के किले में कैद कर लिया 1636 ईस्वी में भयभीत होकर गोलकुण्डा तथा बीजापुर ने शाहजहाँ से संधि कर ली। 1647 ईस्वी में शाहजहाँ ने बल्ख पर अधिकार कर लिया किन्तु उससे स्थायी लाभ नहीं हुआ। शाहजहाँ ने अपने शासनकाल के अंतिम वर्षों में 'हासिल' (वास्तविक आय) एवं 'जमा' (निर्धारित लगान) के अंतर को कम करने के लिए 'मासिक अनुपात' अर्थात् छमाही एवं तिमाही आधार पर जागीरों की व्यवस्था की। सभी विकल्प गलत है।

14. बीजापुर में गोल-गुम्बद किसने बनवाया था?

(a) महमूद – गवां
(b) युसुफ आदिल शाह
(c) इस्माइल आदिल शाह
(d) मुहम्मद आदिल शाह

उत्तर (d)

व्याख्या–बीजापुर में गोल–गुंबद का निर्माण मुहम्मद आदिलशाह (1558–1580) ने अपने मकबरे के रूप में करवाया था। यह भारत के विशालतम् ऐतिहासक और आश्चर्यजनक भवनों में शामिल है तथा विश्व के विशालतम् गुंबदों में से एक है। इसका बाह्य भाग देखने से एक प्याले की भाँति लगता है तथा इसके प्रत्येक कोनों पर कांदरों की व्यवस्था है।

15. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

(a) मुगलकालीन भारत में नील की खेती दिल्ली एवं आगरा प्रांतों तक ही सीमित थी
(b) मदद-ए-माश अनुदानों को औरंगजेब ने वंशानुगत बना दिया
(c) जहाँगीर ने अलतमगा जागीरों के स्थानान्तरण की प्रथा प्रारम्भ की
(d) कश्मीर में भू-राजस्व निर्धारण की जब्ती प्रणाली आरम्भ की गई

उत्तर–(c)

व्याख्या–अलतमगा जागीर' की शुरुआत जहाँगीर ने की थी। यह तैमूरी परंपरा पर आधारित जागीर थी। यह एक सरकारी अनुदान के रूप में केवल उन्हीं को दी जाती थी, जिस पर बादशाह की विशेष कृपा होती थी इसे विशेष परिस्थितियों में शाही आदेश के द्वारा ही रद्द किया जा सकता था। यह मदद–ए–माश के अनुरुप ही होती थी।

16. शिकदार था?

(a) ग्राम पटवारियों का प्रमुख
(b) परगना का सैनिक अधिकारी
(c) परगना का कोषाध्यक्ष
(d) व्यापारिक गतिविधियों को देखने वाला

उत्तर–(b)

व्याख्या–मुगल काल में सरकार (जिला) कई परगनों में बँटा होता था। परगने के प्रमुख अधिकारी शिकदार, आमिल, फोतदार, कानूनगो और कारकुन होते थे। शिकदार परगने से छोटी इकाई का अधिकारी होता था। उसका मुख्य कार्य परगने में शांति व्यवस्था स्थापित करना तथा राजस्व वसूल करवाने में आमिल की मदद करना था।

17. मध्यकाल के किस शासक ने कृषि मंत्रालय (दिवान-ए-अमीर कोही) की स्थापना की थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मोहम्मद-बिन-तुगलक
(c) शेरशाह (d) अकबर

उत्तर–(b)

व्याख्या–मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि की उन्नति के लिए एक नए विभाग 'दीवान–ए–अमीर कोही' की स्थापना की थी। इस विभाग का मुख्य कार्य कृषकों को प्रत्यक्ष सहायता देकर अधिक भूमि कृषि कार्य में लेना था। 60 वर्ग मील की भूमि का एक लम्बा टुकड़ा इस कार्य के लिए चुना गया। भूमि पर कृषि सुधार किये गये और फसल चक्र के अनुरूप हेर–फेर के साथ भिन्न फसलों की खेती की गई।

18. औरंगजेब के शासन में अमीन एकत्र करते थे :

(a) चारागाह कर (b) जजिया
(c) खराज (d) जकात

उत्तर–(c)

व्याख्या–शाहजहाँ के शासनकाल में प्रत्येक परगने में मालगुजारी निर्धारण के लिए एक परगना अमीन की नियुक्ति हुई थी। खराज गैर मुस्लिमों से लिया जाने वाला भूमि कर था।

19. जहाँगीर के काल का सर्वाधिक प्रसिद्ध चित्रकार कौन था?

(a) अबुल हसन (b) मुहम्मद नादिर समरकन्दी
(c) बसावन (d) मुरार

उत्तर–(a)

व्याख्या–जहाँगीर ने अबुल हसन को अपने दरबार का सर्वोत्कृष्ट चित्रकार बताया है। जहाँगीर ने 'तुजुक–ए–जहाँगीरी' में लिखा है कि इस समय अबुल हसन के समान कोई चित्रकार नहीं है। जहाँगीर ने उनकी कला से प्रभावित होकर उसे नादिर–उद–जमा' की उपाधि से विभूषित किया था।

20. कौन सी इमारत 'दूसरे ताजमहल' के नाम से प्रसिद्ध है?

(a) राबिया-उद-दौरानी मकबरा
(b) शेरशाह का मकबरा
(c) नूरजहाँ का मकबरा
(d) जहाँगीर का मकबरा

उत्तर (a)

व्याख्या–राबिया–उद–दौरानी का मकबरा (बीबी का मकबरा) 'दूसरे ताजमहल' के नाम से प्रसिद्ध है। शेरशाह का मकबरा सासाराम (बिहार) में स्थित है। जहाँगीर और नूरजहाँ का मकबरा लाहौर के शाहदरा में स्थित है।

21. बाबर ने अपनी आत्मकथा, 'बाबरनामा' अथवा 'तुजुक-ए-बाबरी' किस भाषा में लिखी थी?

(a) फारसी (b) अरबी
(c) तुर्की (d) मंगोल

उत्तर–(c)

व्याख्या–बाबर साहित्य में बहुत रुचि लेता था। उसने तुर्की भाषा में अपनी आत्मकथा 'तुजुके–बाबरी' (बाबरनामा) लिखी। बाबरनामा का तीन बार फारसी में अनुवाद हुआ। बाबरनामा में भारत की तत्कालीन राजनीतिक दशा, भारतीयों के तत्कालीन जीवन स्तर, फसलों तथा फूलों का विस्तृत वर्णन मिलता है। तुजुके बाबरी को वाक्यात-ए-बाबरी भी कहा जाता है।

22. 'मुनिस-अल-अरवाह' किसकी आत्मकथा थी?

(a) मोइन-उद्दीन-चिश्ती (b) गुलबदन बेगम
(c) फख्र-ए-मुदाबिर (d) मिन्हाज उस सिराज

उत्तर–(a)

व्याख्या–मुनिस अल-अरवाह मोईनुद्दीन चिश्ती की जीवनी थी, जिसको जहाँआरा द्वारा लिखा गया था।

23. देशमुख, पाटिल एवं नायक विभिन्न नाम किसे दिए गए?

(a) मनसबदार (b) जागीरदार
(c) जमींदार (d) स्वायत्त प्रमुख अधिकारी

उत्तर–(c)

व्याख्या–देशमुख, पाटिल एवं नायक मराठा शासनकाल में जमींदार होते थे। ये कर संबंधी न्यायिक तथा अन्य प्रशासनिक कार्य करते थे। शिवाजी ने इनके अधिकारों को छीन कर सरकारी कर्मचारियों को दे दिया।

24. सालबाई की संधि किस तिथि पर सम्पन्न हुई?

(a) 12 अगस्त, 1803 (b) 17 मई, 1782
(c) 31 दिसम्बर, 1802 (d) 17 दिसम्बर, 1803

उत्तर (b)

व्याख्या : सालबाई की संधि 17 मई 1782 को ईस्ट इंडिया कंपनी और महादजी शिन्दे (मराठा) के बीच हुई। इस संधि से प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध समाप्त हो गया तथा अंग्रेजों व मराठों ने एक दूसरे के विजित क्षेत्र लौटा दिए। इस संधि का मुख्य व दूरगामी उद्देश्य मराठों व अंग्रेजों के बीच लंबी शांति स्थापित करना था।

25. 17वीं शताब्दी में भारत से सर्वाधिक निर्यात होने वाली वस्तु कौन सी थी?

(a) मसाले (b) सूती वस्त्र
(c) नील (d) शीरा

उत्तर–(b)

व्याख्या–17वीं शातब्दी में भारत से अन्य देशों को सर्वाधिक निर्यात होने वाली वस्तु सूती वस्त्र थी। तत्कालीन समय में भारत में सूती वस्त्रोद्योग सर्वाधिक उन्नत उद्योग था। खानदेश, गुजरात, लाहौर, लखनऊ, बंगाल, भड़ौच, सरहिन्द, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुर्शिदाबाद, पटना और कश्मीर सूती वस्त्रोद्योग के केंद्र थे।

26. श्रीरंगपट्टम की संधि निम्नलिखित के बीच की गई थीः

(a) हैदर अली एवं हेस्टिंग्स
(b) हैदर अली एवं आयरकूट
(c) टीपू सुल्तान एवं वारेन हेस्टिंग्स
(d) टीपू सुल्तान एवं लार्ड कॉर्नवालिस

उत्तर–(d)

व्याख्या–तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790–92) का समापन श्रीरंगपट्टनम् की संधि (मार्च, 1792) द्वारा हुआ। इस संधि में अंग्रेजों की ओर से कार्नवालिस तथा मैसूर से टीपू सुल्तान शामिल थे। इस संधि के अनुसार, टीपू को अपने राज्य का लगभग आधा भाग अंग्रेजों तथा उनके साथियों को देना पड़ा। साथ ही युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू सुल्तान को अंग्रेजों को तीन करोड़ रुपये देना था। इस संधि में यह शामिल था कि जब तक टीपू सुल्तान तीन करोड़ रुपये नहीं देगा तब तक इसके दो पुत्र अंग्रेजों के कब्जे में रहेंगे। कार्नवालिस ने इस संधि के बाद यह टिप्पणी की थी– ''हमने अपने शत्रु को प्रभावशाली ढंग से पंगु बना दिया है तथा साथियों को भी शक्तिशाली नहीं बनने दिया।

27. प्रथम 'जनसंख्या गणना' कब हुई?

(a) 1871 (b) 1881
(c) 1883 (d) 1891

उत्तर–(b)

व्याख्या–अंग्रेजों के शासनकाल में भारत में आधुनिक प्रणाली की सर्वप्रथम जनगणना लॉर्ड मेयो के शासनकाल में 1872 में हुई थी किन्तु जनगणना का क्रमवार आकलन अर्थात् प्रथम नियमित जनगणना 1881 में लॉर्ड रिपन के शासन–काल से मानी जाती है।

28. रॉबर्ट क्लाइव ने मुगल शासक से बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी किस वर्ष में स्वीकार की?

(a) 1761 (b) 1765
(c) 1778 (d) 1781

उत्तर–(b)

व्याख्या–इलाहाबाद की दूसरी संधि (अगस्त–1765) के अनुसार भगोड़े सम्राट शाहआलम को अंग्रेजों ने अपने संरक्षण में ले लिया तथा उन्हें इलाहाबाद में रखा गया। 12 अगस्त, 1765 को अपने फरमान द्वारा मुगल बादशाह शाहअलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी स्थायी रुप से दे दी, जिसके बदले कंपनी द्वारा सम्राट को 26 लाख रुपये दिया जाना था तथा निजामत व्यय के लिए कंपनी को 53 लाख रुपया देना था। उस समय रॉबर्ट क्लाइव ईस्ट इंडिया कंपनी का बंगाल का गवर्नर था।

29. 'ब्रिटिश भूमि व्यवस्था का पिता' किसे कहा गया?

(a) मार्टिन बर्ड (b) मैकॉले
(c) हर्टेंज (d) मेकेन्जी

उत्तर–(a)

व्याख्या–'ब्रिटिश भूमि व्यवस्था का पिता मार्टिन बर्ड को कहा जाता है स्थायी एवं रैय्यतवाड़ी व्यवस्था की असफलता के बाद महालवाड़ी व्यवस्था का प्रस्ताव हॉल्ट मैकेन्जी द्वारा लाया गया। अंग्रेजी को भारत की सरकारी भाषा तथा शिक्षा का माध्यम और यूरोपीय जातिवाद दर्शन तथा विज्ञान को भारतीय शिक्षा का लक्ष्य बनाने में मैकाले का सर्वाधिक योगदान था।

30. 'पुरानी गारन्टी पद्धत्ति' के अधीन जिन ब्रिटिश कम्पनियों ने रेलवे में पूँजी निवेश किया, उनको लाभांश आश्वासन की गारन्टी थीः

(a) 3 प्रतिशत (b) 5 प्रतिशत
(c) 8 प्रतिशत (d) 10 प्रतिशत

उत्तर (b)

व्याख्या : पुरानी गारण्टी पद्धति के अधीन जिन ब्रिटिश कम्पनियों ने रेलवे में पूँजी निवेश किया। उनको लाभांश आश्वासन की गारंटी 5 प्रतिशत थी। भारत में रेल निर्माण की दिशा में प्रथम प्रयास 1846 में लार्ड डलहौजी द्वारा किया गया। प्रथम रेलवे लाइन को 1853 में बम्बई से ठाणे के बीच डलहौजी के समय में बिछाया गया। अंग्रेजों द्वारा वाणिज्यिक और सामरिक उद्देश्यों से भारत में बिछाई गई रेल लाइन को कार्ल मॉर्क्स ने आधुनिक युग का अग्रदूत कहा था।

31. किसका तर्क है कि औपनिवेशिक काल में भारत में अनौद्योगिकीकरण नहीं हुआ?

(a) विपिन चन्द्र (b) अमियो बागची
(c) अनिल सील (d) मॉरिस डी मॉरिस

उत्तर–(d)

व्याख्या–भारत में 1800 से 1850 के बीच के समय को 'अनौद्योगीकरण या 'विऔद्योगीकरण के नाम से जाना जाता है। अनौद्योगीकरण के इस दौर में जहाँ ब्रिटेन औद्योगिक क्रांति के दौर से गुजर रहा था वहीं भारत में औद्योगिक पतन का दौर चल रहा था। औद्योगिक क्रांति के इस दौर में भारतीय परंपरागत हस्तशिल्प उद्योग का ह्रास हुआ। सर्वाधिक दुष्प्रभाव यह हुआ कि देश की अर्थव्यवस्था अधिकाधिक विदेशी अर्थव्यवस्था के आधिपत्य में आ गई। मॉरिस डी मॉरिस का तर्क था कि ब्रिटेन के संरक्षण में भारत में औद्योगीकरण की सारी संभावनाएँ उक्त काल में मौजूद थीं।

32. ब्रिटिशकालीन भारत में भारतीय पूँजीपतियों के पास मात्र महत्त्वपूर्ण उद्योग थाः

(a) जूट (b) खानें
(c) लोहा एवं इस्पात (d) सूती वस्त्र

उत्तर–(d)

व्याख्या–ब्रिटिशकालीन भारत में भारतीय पूंजीपतियों के पास महत्वपूर्ण उद्योग सूती वस्त्रोद्योग था। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के तृतीय चरण में भारतीयों द्वारा भी कुछ भारतीय उद्योगों में पूँजी लगाई गई। भारतीय उद्योगों में सूती वस्त्र पहला उद्योग था जिसमें